राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार,13जनवरी 2021 वर्ष-3, अंक -345 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजमार्गों व परिवहन क्षेत्र को नई दिशा देगा सड़क सुरक्षा बोर्ड, केंद्र ने सौंपा काम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के राष्ट्रीय राजमार्ग और सड़क परिवहन क्षेत्र को नई दिशा देने के मकसद से बहुप्रतिक्षित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। नए साल में ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, कार में सुरक्षा उपकरण-नई प्रौद्योगिकी, सड़क दुर्घटनाओं का विश्लेषण व उपाय, यातायात नियंत्रण, सड़क-वाहन के अंतरराष्ट्रीय मानक, ईंधन की गुणवत्ता आदि के नियम बनाना, निगरानी करना व अमल करने का काम बोर्ड के सुपुर्द होगा। खास बात यह है कि सरकार में सेवारत अथवा सेवानिवृत्त शीर्ष बाबूओं को बोर्ड में नियुक्त नहीं किया जाएगा। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को इस बाबत मसौदा अधिसूचना जारी कर दी है। इसके अनुसार, बोर्ड में एक अध्यक्ष व अधिकतम सात सदस्य होंगे। बोर्ड अध्यक्ष अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजमार्ग व सड़क परिवहन क्षेत्र के पृथक तकनीकी विशेषज्ञों के समूह बनाएंगे। तकनीकी समूह के प्रमुख कार्यों में ड्राइविंग लाइसेंस से जुड़े नियमों में बदलाव करना, वाहन पंजीकरण, सालाना वाहनों के लिए नई तकनीक, डिजाइन, सुरक्षा उपकरण, त्रुटि होने पर वाहनों को वापस मंगाना, सड़क सुरक्षा के मानक, हाईवे डिजाइन, बुनियादी ढांचा, ट्रैफिक मैनेजमेंट, केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय एजेंसी को तकनीकी सुझाव देना, हाईवे-सड़क किनारे ट्रामा सेंटर बनवाना, ट्रैफिक पुलिस, अस्पताल प्रशासन, हाईवे प्राधिकरण आदि की क्षमता बढ़ाने के लिए दिशा-निर्देश तैयार करना, अंतरराष्ट्रीय संगठनों से केंद्र व राज्य सरकार में तालमेल बनाना आदि शामिल होगा। बोर्ड केंद्र सरकार, राज्य सरकारों व संबंधित प्राधिकरणों व अधिकारियो से समन्वय स्थापित कर उपरोक्त विषय पर काम करेगा। खास बात यह है कि सरकार में सेवारत अथवा सेवानिवृत्त सचिव स्तर के अधिकारी बतौर अध्यक्ष नियुक्त नहीं किए जाएंगे। इसी प्रकार सदस्य के रूप में अवर सचिव स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति नहीं की जाएगी।

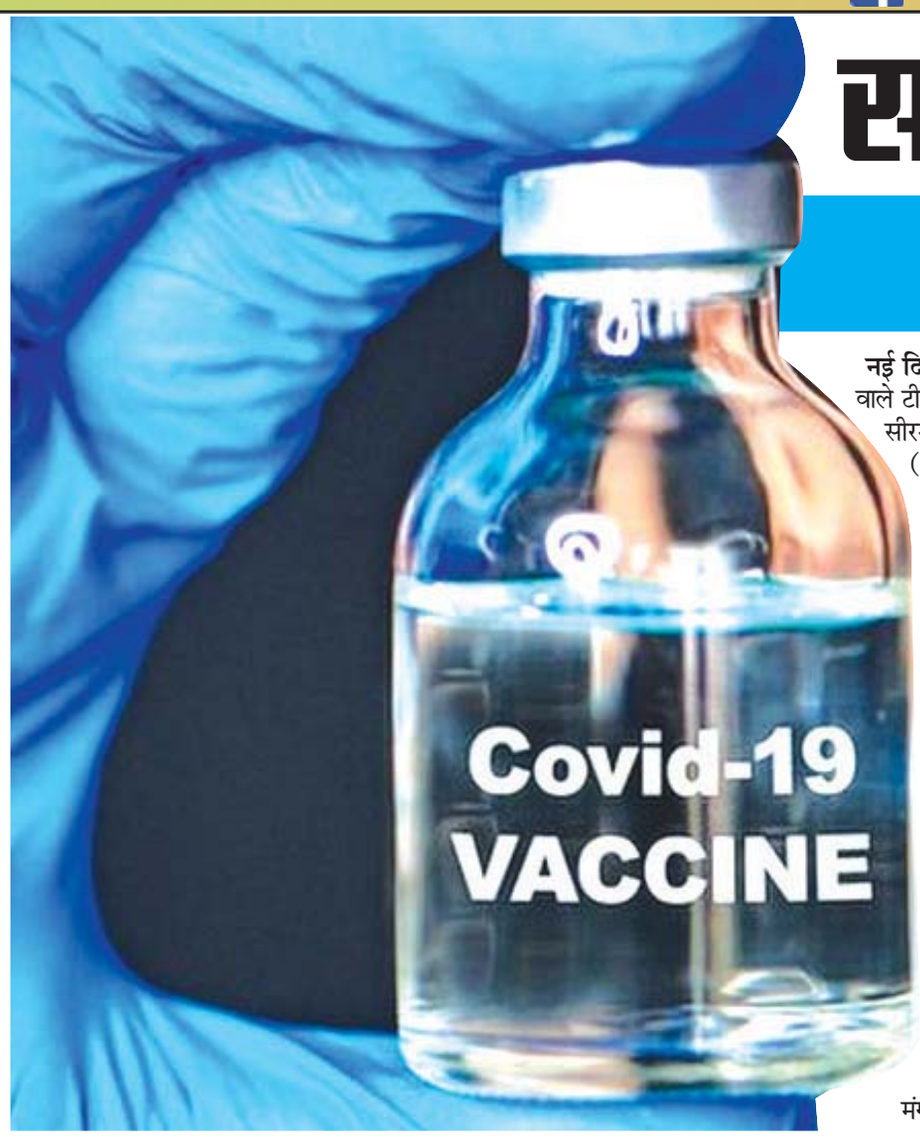

सरकार ने दिया 6 करोड़ टीके का ऑर्डर

नई दिल्ली। देश में 16 जनवरी से शुरू होने वाले टीकाकरण अभियान से पहले सरकार ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) और भारत बायोटेक से कोविड-19 टीके की छह करोड़ से अधिक खुराक खरीदने का ऑर्डर दिया। इस ऑर्डर की कुल कीमत करीब 1300 करोड़ रुपए होगी। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने सोमवार को भारत बायोटेक को 55 लाख खुराक का ऑर्डर दिया है, जिसकी लागत 162 करोड़ रुपये है। सरकार ने एसआईआई से ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 टीके %कोविशील्ड% की 1.1 करोड़ खुराक खरीदने का सोमवार को ऑर्डर दिया। प्रत्येक टीके पर जीएसटी समेत 210 रुपए की लागत आएगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सरकार ने अप्रैल तक 4.5 करोड़ टीके खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। इस पूरे ऑर्डर पर 1100 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के से टीका भेजने की शुरुआत होने की उम्मीद है। दिए गए ऑर्डर के मुताबिक, प्रत्येक 'कोविशील्ड' टीके पर 200 रुपये और 10 रुपये जीएसटी मिलाकर 210 रुपए की लागत आएगी। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से अतिरिक्त निदेशक प्रकाश कुमार सिंह के नाम सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के लिए आपूर्ति का ऑर्डर जारी किया। सूत्रों ने बताया कि 1.1 करोड़ खुराक की कीमत 231 करोड़ रुपये होगी, जबकि बाकी 4.5 करोड़ खुराक मिलाकर वर्तमान मूल्य के हिसाब से कुल खर्च 1,176 करोड़ आएगा।इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को घोषणा की है कि कोरोना टीकाकरण अभियान के पहले चरण में तीन करोड़ लोगों, स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के टीकाकरण का खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि इस चरण में जनप्रतिनिधियों को शामिल नहीं किया जाएगा। आगामी 16 जनवरी से आरंभ हो रहे देशव्यापी टीकाकरण अभियान के पहले प्रधानमंत्री ने सोमवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से संवाद किया और कहा कि कोविड-19 के लिए टीकाकरण पिछले तीन-चार हफ्तों से लगभग 50 देशों में चल रहा है और अब तक केवल ढाई करोड़ लोगों को टीके लगाए गए हैं, जबकि भारत का लक्ष्य अगले कुछ महीनों में 30 करोड़ लोगों को टीका लगाना है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि देश में तैयार कोरोना के दोनों टीके दुनिया के अन्य टीकों के मुकाबले किफायती हैं और उन्हें देश की स्थितियों व परिस्थितियों के अनुरूप निर्मित किया गया है। टीकों को लेकर उठ रहे सवालों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने भरोसा दिया कि देशवासियों को 'प्रभावी वैक्सीन' देने के लिए वैज्ञानिक समुदाय ने सभी सावधानियां बरती हैं। ज्ञात हो कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 टीके 'कोविशील्ड' और भारत बायोटेक के स्वदेश में विकसित टीके 'कोवैक्सीन' को देश में सीमित आपात इस्तेमाल के लिए भारत के औषधि नियामक की ओर से पिछले दिनों मंजूरी दी गई थी।

कोविड-19 के लिए टीकाकरण पिछले तीन-चार हफ्तों से लगभग 50 देशों में चल रहा है और अब तक केवल ढाई करोड़ लोगों को टीके लगाए गए हैं, जबकि भारत का लक्ष्य अगले कुछ महीनों में 30 करोड़ लोगों को टीका लगाना है।

राजस्थान में फिर उभरा संकट

इस बार भाजपा के भीतर टकराव और कलह के केंद्र में हैं वसुंधरा समर्थक मंच

नई दिल्ली। राजस्थान भाजपा में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे समर्थक व विरोधी एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं। ताजा मामला भाजपा नेतृत्व द्वारा राजस्थान के नेताओं की बैठक के बाद उभरा है, जिसमें वसुंधरा राजे को नहीं बुलाया गया था। इसके बाद वसुंधरा राजे समर्थकों ने सोशल मीडिया पर एक मंच बनाने की घोषणा की, जिस पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। भाजपा के इस अंदरूनी कलह का असर राज्य में होने वाले तीन विधानसभा उप चुनाव पर पड़ सकता है। भाजपा नेतृत्व फिलहाल मामले पर नजर रखे हैं। सूत्रों के अनुसार, राज्य में अभी भी वसुंधरा राजे को दरकिनार करना संभव नहीं है, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व राज्य पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है। यही वजह है कि बीते दिनों राजस्थान के मुद्दे पर चर्चा के लिए जब प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया व अन्य प्रमुख नेता दिल्ली आए तो उनमें वसुंधरा राजे शामिल नहीं थीं। इस बैठक के बाद ही वसुंधरा राजे समर्थकों ने सोशल मीडिया पर वसुंधरा राजे समर्थक मंच बनाकर अपनी मुहिम शुरू कर दी और जिला स्तर तक इस मंच का विस्तार किया जाने लगा। प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने इसका जोरदार विरोध किया और कहा कि पार्टी व्यक्ति नहीं संगठन से चलती है। उन्होंने कहा कि मंच से जो लोग जुड़े हैं, वह भाजपा के सक्रिय सदस्य नहीं है। इसके बाद सोशल मीडिया पर ही सतीश पूनिया समर्थक मंच भी उभरा, जिससे लगा कि अब भाजपा मंचों के जरिए राजनीति होगी। हालांकि, पूनिया ने अपने नाम से बने मंच को खारिज कर दिया और इसे सोशल मीडिया की शरारत करार दिया।

पहले भी रहा है विवाद-बीते लगभग एक दशक से भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व व वसुंधरा राजे के बीच कई बार विवाद उभरे। हालांकि, प्रदेश में वसुंधरा राजे की जनता पर मजबूत पकड़ को देखते हुए वह राज्य में पार्टी के सर्वमान्य नेता बनी रहीं।

आजादी के बाद पहली बार इस साल बजट दस्तावेज नहीं छपेंगे, मिलेगी सॉफ्ट कॉपी

नई दिल्ली। आजादी के बाद पहली बार ऐसा होने जा रहा है कि बजट का दस्तावेज यानी बही खाता नहीं छपेगा। दरअसल, कोरोना महामारी के कारण इस बार बजट दस्तावेज की छपाई नहीं होगी। सरकारी सूत्रों से यह जानकारी मिली है। गौरतलब है कि 1947 से निरंतर यह परंपरा रही है कि केंद्र सरकार हर साल संसद में पेश होने वाले बजट दस्तावेजों की कड़ी निगरानी और सुरक्षा में छपाई करवाती है। लेकिन इस बार कोरोना महामारी की वजह से बजट दस्तावेजों की छपाई नहीं होगी।

सांसदों को सॉफ्ट कॉपी दी जाएगी-इस बार आम बजट 2021-22 की सॉफ्ट कॉपी सांसदों को उपलब्ध कराई जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त मंत्रालय ने कोरोना वायरस संक्रमण के जोखिम को देखते हुए इस बार सरकार को प्रस्ताव दिया था कि प्रिंटिंग प्रेस में 100 लोगों

को एक साथ दो हफ्तों तक रखना उचित नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर, 1947 को पेश किए गए देश के पहले आम बजट से लेकर 2020 तक हर साल बजट दस्तावेजों की छपाई वित्त मंत्रालय की प्रिंटिंग प्रेस में गोपनीय तरीके से होती रही है।

हलवा सेरेमनी पर भी स्थिति साफ नहीं-हर साल वित्त मंत्रालय बजट दस्तावेजों की छपाई प्रक्रिया की शुरुआत के मौके पर हलवा सेरेमनी करता है। इसका आयोजन नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में होता है। अब सवाल यह है कि जब बजट छप नहीं रहा, तो हलवा सेरेमनी होगी या नहीं इसपर भी स्थिति अभी तक साफ नहीं है। वित्त मंत्रालय में एक बड़ी कढ़ाई में यह हलवा बनाया जाता है और इसे सभी कर्मचारियों के बीच बांटा जाता है। यह रस्म नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में आयोजित होती है। इसे बजट प्रस्तुत करने के 15 दिन पहले आयोजित किया जाता है।

बजट में 14 पेपर का सेट-बजट पेपर 14 दस्तावेज का एक सेट होता है जो अलग-अलग रंग में छपाई की जाती है। बजट भाषण दस्तावेज का अपना डिजाइन है जैसे पिछले साल यह सफेद पर केसरिया बैंड और नीचे हरे रंग के बैंड के साथ था। हालांकि, उनमें से कुछ को स्थायी रूप से रंग आवंटित किए गए हैं जैसे कि व्याख्यात्मक ज्ञापन के कवर हमेशा गहरे गुलाबी होते हैं। वित्त विधेयक हमेशा सफेद रंग में होता है।

1 फरवरी को पेश होगा बजट-मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को यूनियन बजट 2021-22 को पेश करेंगी। बजट के दिन वित्त मंत्री आमतौर पर एक लेदर ब्रीफकेस बजट के दस्तावेज लेकर आती हैं लेकिन इस बार यह सॉफ्ट कॉपी में होगा।

बीजेपी सांसद बोले- पिज्जा-बर्गर खा रहे ये किसान फर्जी हैं, पैसे लेकर आंदोलन कर रहे

बेंगलुरु। किसान आंदोलन और कृषि कानूनों को लेकर एक तरफ सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है तो वहीं दूसरी तरफ राजनेता इस आंदोलन को लेकर विवादित बयान देने से नहीं चूक रहे हैं। अब बीजेपी के सांसद एस मुनीस्वामी ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे किसानों को प्रदर्शन करने के लिए पैसे दिए जा रहे हैं। कर्नाटक के कोलार से बीजेपी सांसद मुनीस्वामी यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा, 'ये बिचौलिए हैं और फर्जी किसान हैं। ये पिज्जा, बर्गर और केएफसी का खाना खा रहे हैं। इन्होंने वहां जिम बनाया है। यह ड्रामं बंद होना चाहिए। बता दें कि केंद्र द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हजारों की संख्या में दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं। मुनीस्वामी ऐसे पहले नेता नहीं हैं जिन्होंने किसानों को लेकर विवादित बयान दिया हो। इससे पहले राजस्थान के कोटा से बीजेपी विधायक मदन दिलावर ने कहा था कि प्रदर्शनस्थल पर किसान जानबूझकर चिकन बिरयानी खा रहे हैं ताकि देश में बर्ड फ्लू फैल सके।

अब बीजेपी के सांसद एस मुनीस्वामी ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे किसानों को प्रदर्शन करने के लिए पैसे दिए जा रहे हैं। कर्नाटक के कोलार से बीजेपी सांसद मुनीस्वामी यहीं नहीं रुके।

यूपी में सबसे अधिक मासूम बच्चे काट रहे मांओं के गुनाह की सजा, जेल कोठरियों में बीत रहा बचपन

मुरादाबाद। इन मासूमों ने खुद तो कोई जुर्म नहीं किया है लेकिन वे सालों से अपनी मां के किए गुनाहों के कारण जेल में हैं। दुर्भाग्य है कि जेलों में बंद ऐसी मांओं के साथ देश भर में सर्वाधिक 490 मासूम अकेले उत्तर प्रदेश की जेलों में बंद हैं। हालांकि इन बच्चों की देखभाल और पढ़ाई-लिखाई का जिम्मा जेल प्रशासन उठाता है लेकिन ऊंची-ऊंची दीवारों से घिरी जेल की कोठरियों में इन मासूमों का बचपन, उनका खिलंदड़ापन और उनकी खिलखिलाहट भी कहीं अंधेरे में गुम हो जाता है। महिला बंदियों को छह साल तक के बच्चों के साथ 'मदर सेल' में रखने का प्रावधान है। कई महिला बंदियों के तीन-तीन बच्चे जेल में हैं। देश में इस समय 1543 महिला कैदी ऐसी हैं जो अपने 1779 बच्चों के साथ जेल में हैं। इनमें से 1212 विचाराधीन हैं और उनके साथ 1409 बच्चे हैं, जबकि, 325 सजायाफ्ता हैं। इस मामले में यूपी की स्थिति सबसे खराब है। यूपी में सर्वाधिक 320 महिलाओं के साथ 490 बच्चे सलाखों के पीछे अपना जीवन-यापन कर रहे हैं।

दूसरे नंबर पर आता है पश्चिम बंगाल। यहां की जेलों में 147 महिलाओं के साथ 192 बच्चे माता-पिता द्वारा किए गए गुनाहों की सजा काटने के लिए मजबूर हैं। तीसरे पर है मध्य प्रदेश। यहां की जेलों में 138 महिलाओं के साथ जेल में 177 मासूम बच्चे दिन काट रहे हैं। मुरादाबाद जेल में नौ मासूम मां के अपराधों की सजा काटने के लिए मजबूर हैं।

प्रेमी की खातिर करवाया पति का कत्ल, बच्चे जेल में

मुरादाबाद के मूंढापांडे थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला ने प्रेमी की खातिर पति का कत्ल करवा दिया था। शव को कुएं में फेंका था। उसके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा कर महिला को गिरफ्तार कर जेल भेजा। दोनों बच्चे छह साल से कम उम्र के थे, इसलिए वे अब आरोपी मां के साथ जेल में हैं।

छह साल तक जेल में शबनम के साथ रहा ताज मोहम्मद

माता-पिता समेत सात लोगों की प्रेमी सलीम की खातिर हत्या करने वाली बावनखेड़ी की खलनायिका शबनम ने जिला कारागार में ही बच्चे को जन्म दिया था। बच्चे का नाम उसने ताज मोहम्मद रखा था। जन्म से छह साल तक ताज मोहम्मद जिला जेल में ही मां के गुनाहों की सजा काटने को मजबूर रहा। वर्तमान में मुरादाबाद की जेल में नौ बच्चे मांओं के साथ रह रहे हैं। इनमें चार लड़कियां और पांच लड़के शामिल हैं। जेल मैन्युअल के मुताबिक मां के साथ रहने वाले मासूम बच्चों की पढ़ाई से लेकर खेलकूद तक के सारे इंतजाम किए गए हैं।

खत्म हुआ इंतजार-पुलिस सुरक्षा के बीच वैक्सीन की पहली खेप सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से हुई रवाना

पुणे। कोरोना के खिलाफ भारत का जंग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। 16 जनवरी से देश में टीकाकरण का महाअभियान शुरू हो रहा है, जिसके लिए आज सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रेजेनेका कोविड-19 वैक्सीन की पहली खेप सरकार को भेज दी है। सरकार ने एसआईआई से ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 टीके 'कोविशील्ड' की 1.1 करोड़ खुराक खरीदने का सोमवार को ऑर्डर दिया। प्रत्येक टीके पर जीएसटी समेत 210 रुपये की लागत आ रही है। आज यानी मंगलवार सुबह सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के पुणे स्थित उत्पादन केंद्र से कोविशील्ड वैक्सीन की पहली खेप पूरी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ रवाना कर दी गई। वैक्सीन से लदे तीन ट्रक पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मंजरी स्थान से पुलिस की सुरक्षा में रवाना हुए पुणे एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। पुणे स्थित लॉजिस्टिक फर्म कूल-एक्स कोल्ड चेन सीरम इंस्टीट्यूट से देश के अन्य हिस्सों में वैक्सीन खुराक से लदे तीन ट्रकों को पूजा-पाठ करने के बाद रवाना कर दिया गया। पुलिस सुरक्षा में कोविशील्ड वैक्सीन सीरम के उत्पादन केंद्र से पुणे एयरपोर्ट पहुंची, जहां से अब देशभर के लोकेशन पर उसकी डिलीवरी होगी। महाराष्ट्र सरकार ने हवाई अड्डों और राज्य की सीमाओं तक वैक्सीन ले जाने वाले ट्रकों को पुलिस सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया है। समाचार एजेंसी एएनआई ने कुछ तस्वीरें और वीडियो को भी साझा किया है, जिसमें वैक्सीन से लदे ट्रकों के ड्राइवर विक्ट्री साइन दिखाते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि जब वैक्सीन की खेप रवाना होने वाली होती है तो वहां मौजूद पुलिसकर्मी से

लेकर अन्य स्टाफ तालियां बजाने लगते हैं, सभी विक्ट्री साइन दिखाते हैं और फिर ट्रक की पूजा के बाद खेप को एयरपोर्ट के लिए रवाना कर दिया जाता है। गौरतलब है कि भारत ने हाल ही में देश में प्रतिबंधों के साथ आपातकालीन उपयोग के लिए दो टीकों के निर्माण को मंजूरी दी है। इनमें एक सीरम इंस्टीट्यूट 'ऑक्सफोर्ड कोविशील्ड' और भारत बायोटेक द्वारा निर्मित 'कोवैक्सीन' शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, टीकाकरण अनुसूची को पूरा करने के लिए एक व्यक्ति को टीका की दो खुराक 28 दिनों में लेना चाहिए। फिर दूसरी खुराक लेने के दो सप्ताह बाद एंटीबॉडी का सुरक्षात्मक स्तर आमतौर पर विकसित होता है। सार्वजनिक उपक्रम एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से अतिरिक्त निदेशक प्रकाश कुमार सिंह के नाम सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के लिए आपूर्ति का ऑर्डर जारी किया। सूत्रों ने बताया कि कोविशील्ड टीके की खुराक 60 स्थानों पर खेप के जरिए पहुंचाई जाएगी, जहां से यह आगे वितरण के लिए भेजी जाएगी। सरकार ने भारत बायोटेक को 55 लाख खुराक का ऑर्डर दिया है, जिसकी लागत 162 करोड़ रुपये है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सरकार ने अप्रैल तक 4.5 करोड़ टीके खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। इस पूरे ऑर्डर पर 1100 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आएगा।

शुरुआत में 60 केंद्रों पर भेजा जाएगा-सूत्रों ने कहा कि कोविशिल्ड वैक्सीन की खुराक को शुरुआत में 60 थोक केंद्रों पर भेजा जाएगा, जहां से उन्हें पूरे भारत के विभिन्न टीकाकरण केंद्रों में वितरित किया जाएगा। कोविशील्ड की 2,54,500 से अधिक खुराकें दिल्ली के केंद्रीय भंडारण, राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, ताहिरपुर में वितरित की जानी हैं। 'स्वास्थ्य मंत्रालय ने टीका की खरीद के लिए खरीद एजेंसी के रूप में 11 जनवरी को एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड को नामित किया है। इसके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय खरीददार एजेंसी है और एलएलएल लाइफकेयर लिमिटेड खरीद एजेंसी है।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

समाधान की ओर

तीन कृषि कानूनों को लेकर चल रहा विवाद सुप्रीम कोर्ट में समाधान की दिशा में बढ़ता लग रहा है, तो यह सुखद और स्वागतयोग्य है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ समाधान के लिए बहुत लालायित और दृढ़ दिखी है, जिससे लगता है, जल्द ही कोई समाधान निकलेगा। सोमवार को सुनवाई के दौरान उभरे तीन-चार संकेत बहुत स्पष्ट हैं। पहला संकेत तो यही है कि सर्वोच्च अदालत नए कृषि कानूनों पर कुछ समय के लिए रोक लगा सकती है। हालांकि, रोक लगाने जैसी किसी घोषणा की उम्मीद उसे केंद्र सरकार से भी है। दूसरा संकेत, केंद्र सरकार विवाद सुलझाने के लिए और वक्त चाहती है, लेकिन अदालत अब इसके लिए बहुत सहमत नहीं लगती। संकेत यह है कि अदालत एक समिति का गठन कर सकती है, जो कृषि कानूनों की समीक्षा करेगी और उसके नतीजों के आधार पर सर्वोच्च अदालत को फैसला लेने में सुविधा होगी। वैसे समिति के गठन का सुझाव पहले भी आ चुका है, जिसे किसान ठुकरा चुके हैं। कोई आश्चर्य नहीं, किसानों ने सोमवार को सर्वोच्च अदालत के रुख की तारीफ की, लेकिन समिति गठन के उसके सुझाव पर असहमति जताई। समिति के गठन, कृषि कानूनों की समीक्षा और अंतिम रिपोर्ट में काफी समय लग सकता है। अत- शीर्ष अदालत यदि समिति का गठन करे, तो फिर उसकी रिपोर्ट के लिए भी एक न्यूनतम समय-सीमा तय होनी चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने उचित ही यह स्पष्ट कर दिया है कि संविधान-सम्मत जो भी होगा, वह अवश्य करेगी। अदालत का साहसिक रुख दोनों पक्षों को समाधान के लिए प्रेरित करे, तो स्वाभाविक है। ऐसे विवादों को सुलझाने में जितनी साफगोई रहे, उतना ही अच्छा है। जो संविधान की रोशनी में उचित या व्यावहारिक है, उसी दिशा में बढ़ना आज समय की मांग है। अदालत की ओर से सामने आया तीसरा संकेत यह है कि सरकार कृषि कानूनों के फायदे के प्रति अदालत को सहमत या आश्वस्त नहीं कर सकी है। सरकार अगर आश्वस्त कर देती, तो अदालत को समिति गठन की जरूरत महसूस नहीं होती। सबसे जरूरी है, किसानों का आश्वस्त होना। अभी भी सरकार के पास मौका है, किसानों के साथ अगली बातचीत में कृषि कानूनों के ठोस फायदों के साथ किसानों को आश्वस्त करने की जरूरत है। जो समिति बनेगी, वह भी यही काम करेगी। किसानों व सरकार को इस प्रक्रिया से गुजरना ही होगा। किसानों को समिति से इनकार का हठ छोड़ देना चाहिए। बेहतर यही होगा कि किसान यह समझाने का प्रयास करें कि ये कृषि कानून किस तरह उनके प्रतिकूल हैं। सरकार और किसानों को अंतत- अपने-अपने तथ्य-तर्क के साथ बैठना होगा। अब यह इन दोनों को तय करना है कि समिति स्वयं किसानों व सरकार की होगी या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित। लोग जल्द से जल्द समाधान चाहते हैं। प्रतिकूल मौसम में लंबे समय तक ऐसे आंदोलन का चलना किसी के लिए भी सही नहीं है। बुजुर्ग, महिला और बच्चे जान जोखिम में डालकर सड़कों पर बैठे हैं, कड़ाके की सर्दी भी है और असमय बारिश ने भी बेहाल कर रखा है। लोगों को सरकार से बड़ी उम्मीदें हैं। अगर यह विवाद गणतंत्र दिवस से पहले सुलझ जाए, तो यह देश के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।

आज के ट्वीट

बदल

पहले देश में ये धारणा बन गई थी कि अगर कोई युवक राजनीति की तरफ रुख करता था तो घर वाले कहते थे कि बच्चा बिगड़ रहा है। क्योंकि राजनीति का मतलब ही बन गया था- झगड़ा, फसाद, लूट-खसोट, भ्रष्टाचार! लोग कहते थे कि सब कुछ बदल सकता है लेकिन सियासत नहीं बदल सकती -- पीएम

कौशल विकास की आधारशिला मजबूत करें

भरत झुनझुनवाला

कैबिनेट ने हाल में जापान के साथ एक अनुबंध को मंजूरी दी है, जिसके अंतर्गत भारत के कुशल श्रमिक जापान जाकर कार्य कर सकेंगे। यह कदम सुदिशा में है और इसे पूरी क्षमता से लागू करना चाहिए। मैकेन्सी ग्लोबल सलाहकारी कम्पनी के अनुसार वर्तमान में विश्व में 8 करोड़ कुशल कर्मचारियों की कमी है जबकि विकासशील देशों में 9 करोड़ अकुशल कर्मी बेरोजगार हैं। इससे स्पष्ट है कि यदि हम अपने करोड़ों अकुशल कर्मियों को कौशल दे सकें तो वे विश्व में अपनी सेवायें प्रदान करके अपना जीवनयापन कर सकते हैं और भारत के लिए भी पूंजी के रूप में साबित होंगे। यदि हम इन्हें कौशल नहीं उपलब्ध करा सके तो ये बेरोजगार रहकर अपराधों में संलिप्त होंगे। ऐसे में ये अभिशाप बन जायेंगे। लेकिन आज देश में कौशल विकास की परिस्थिति बहुत ही दुरूह है। इंडियन इंस्टिट्यूट आफ वेल्डिंग के प्रमुख एस श्रीनिवासन के अनुसार बीते समय में 10 से 20 हजार वेल्डर भारतीय कम्पनियों ने चीन, रूस और पूर्वी यूरोप के देशों से बुलाये हैं क्योंकि अपने देश में कुशल वेल्डर उपलब्ध नहीं हैं। एक तरफ हम अपने कर्मियों को जापान भेजने का मन बना रहे हैं तो दूसरी तरफ हमारे पास अपनी जरूरत के ही वेल्डर उपलब्ध नहीं हैं और हम चीन से वेल्डर बुलाकर अपना काम चला रहे हैं। हम अपने देश में वेल्डर जैसे सामान्य कौशल का भी पर्याप्त विकास नहीं कर पा रहे हैं। विश्व बैंक ने 2008 में कर्नाटक, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विद्यालयों का एक सर्वे किया था। उन्होंने पाया कि अध्यापक विद्यालय में उपस्थित नहीं होते हैं और यदि उपस्थित होते हैं तो भी बच्चों की पढ़ाई में कोई अंतर नहीं पड़ता। स्थानीय निकायों जैसे पंचायतों को उन पर निगरानी रखने का अधिकार देने से भी कोई अंतर नहीं पड़ता। वस्तुस्थिति यह है कि हमारे सरकारी विद्यालयों में अध्यापकों की नौकरी पूर्णतया सुरक्षित है और उनकी बच्चों को पढ़ाने में तनिक भी दिलचस्पी नहीं है, चूंकि उन्हें अपनी नौकरी पर आंच आने की कोई संभावना नहीं दिखती। इस परिस्थिति में सरकार ने बायोमेट्रिक जैसे तकनीकी सुधारों से उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने का अच्छा प्रयास किया है लेकिन वह भी निष्प्रभावी रहा है।आप घोड़े को पानी तक तो ले जा सकते हैं लेकिन उसे जबरदस्ती पानी नहीं पिला सकते। इसी प्रकार सरकार शिक्षकों को विद्यालय में उपस्थित होने को मजबूर कर सकती है परन्तु उनकी पढ़ाने में रुचि उत्पन्न नहीं कर सकती। इसलिए अपने देश में कौशल विकास की आधारशिला जो बुनियादी शिक्षा की है, वह कमजोर है। लगभग ऐसी ही स्थिति औद्योगिक शिक्षा संस्थानों में है। आईआईटी पास लोग मेरे पास काम करने को आये। उनके पास कम्प्यूटर विज्ञान में उत्तीर्ण होने का प्रमाणपत्र था। किन्तु वे अपने विषय का तनिक भी ज्ञान नहीं रखते थे। आईटीआई में वेल्डिंग सिखाने वाले अध्यापक को न तो स्वयं वेल्डिंग आती है और न ही वहां वेल्डिंग के उपकरण मौजूद हैं, जिनसे छात्रों को वेल्डिंग सिखाई जा सके। हमारी शिक्षा प्रणाली मात्र प्रमाणपत्र बांटने तक सीमित रह गई है। यही कारण है कि करोड़ों अकुशल छात्र निठल्ले घूम रहे हैं और कौशल के अभाव में वे अपनी सेवा देश को प्रदान नहीं कर पा रहे हैं। इस परिस्थिति से निपटने के लिए केन्द्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने नयी शिक्षा नीति बनाई है, जिसमें एक कार्यक्रम एक्विप अथवा 'शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम' के नाम से शामिल किया गया है। इसमें 10 बिंदु हैं। इसके 6 बिन्दुओं में केवल कोरे नारे हैं, जिनका भूमि से कोई जुड़ाव नहीं है। जैसे पहला, भारत की शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक कुशल नीतियों की ओर ले जाना। दूसरा, उत्कृष्टता को बढ़ावा देना। तीसरा, सही मूल्यांकन करना। चौथा, विद्यालयों की सही रैंकिंग करना। पांचवां, रिसर्च को बढ़ावा देना और छठा, छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा देना। इन बातों को कहने में शिक्षा मंत्रालय को कोई जोर नहीं आता है। इनको लागू करने के लिए कुछ नहीं करना है। केवल नारे देने से पब्लिसिटी मिल जाती है। 10 में से 2 बिंदु हैं, जिनके अंतर्गत वर्तमान अकुशल शिक्षा तंत्र को ही और अधिक धन उपलब्ध कराया जाना है। सातवां बिंदु शिक्षा की पहुंच बढ़ाना और आठवां बिंदु उच्च शिक्षा में सरकारी खर्च बढ़ाना। ये दोनों बिंदु वर्तमान अकुशल शिक्षा तंत्र को ही और धन उपलब्ध कराते हैं, इसलिए शिक्षा मंत्रालय को पसंद हैं। नवां बिंदु है शिक्षा के प्रसार के लिए तकनीक का उपयोग करना। यह उत्कृष्ट बिंदु है लेकिन पुनः तकनीक का उपयोग उसी प्रकार है जैसे घोड़े को पानी तक ले जाना। आज तमाम बच्चों को स्मार्ट फोन दिए गये हैं लेकिन उनकी शिक्षा में सुधार होता नहीं दिख रहा है। दसवां और आखिरी बिंदु है शिक्षा प्रशासन में सुधार करना। लेकिन इसमें बुनियादी शिक्षा की कोई बात नहीं कही गयी है। केवल कहा गया है कि उच्च शिक्षा संस्थानों को स्वायत्तता दी जायेगी जो कि सही कदम है। लेकिन इस कदम से धरातल में शिक्षा प्रणाली की अकुशलता दूर नहीं होती। इस प्रकार वर्तमान शिक्षा मंत्रालय कौशल विकास की बुनियाद रखने में पूर्णतया असफल है। प्रधानमंत्री ने इस समस्या से निजात पाने के लिए संभवतः अलग से कौशल विकास मंत्रालय स्थापित किया है। लेकिन इस मंत्रालय का भी ध्यान उच्च वर्ग के कुशल व्यक्तियों तक सीमित हो गया प्रतीत होता है। कौशल विकास मंत्रालय ने अमाजोन, गूगल, अडानी, उबर, मारुति और माइक्रोसॉफ्ट जैसी विशाल कम्पनियों से अनुबंध किये हैं जो अच्छी बात है लेकिन इससे केवल उच्च शिक्षा के लोगों को ही लाभ होगा। इससे वेल्डर आदि कर्मियों का कुछ भी लेना-देना नहीं है। कैबिनेट के मंतव्य के अनुसार जापान को कुशल कर्मियों को उपलब्ध करने के लिए हमें वर्तमान शिक्षा तंत्र के बाहर सोचना होगा। वर्तमान शिक्षा तंत्र का आमूलचूल सुधार करना होगा। सेंटर फार सिविल सोसायटी के एक अध्ययन के अनुसार हांगकांग, फिलिपीन्स, पाकिस्तान, आंध्र प्रदेश, दिल्ली शाहदरा, उड़ीसा आदि स्थानों पर प्रयोग किये गये हैं, जिसके अंतर्गत सरकार द्वारा छात्रों को वाउचर दिए जाते हैं, जिसे वे अपने मनपसंद विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने के लिए उपयोग कर सकते हैं। इन वाउचरों का सभी स्थानों पर अच्छा प्रभाव देखा गया है। इसलिए केन्द्र समेत सभी राज्य सरकारों को चाहिए कि वर्तमान शिक्षा तंत्र को निरस्त करके वाउचर पद्धति लागू करे। सभी छात्रों को वाउचर दिए जाएं, जिससे वे अपनी मर्जी के सरकारी अथवा प्राइवेट स्कूल में अपनी फीस अदा कर सकें। तब सरकारी टीचरों को भी वास्तव में पढ़ाने में रुचि उत्पन्न होगी और वाउचर मिलने से निर्धन छात्र के लिए अच्छे प्राइवेट स्कूल में दाखिला लेना संभव हो जाएगा। हमारे युवकों का कौशल विकास संभव हो पायेगा। हम जापान समेत सम्पूर्ण विश्व को कुशल कर्मी उपलब्ध करा सकेंगे और कैबिनेट की सोच साकार हो जायेगी।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

युवा

आचार्य रजनीश ओशो

सभी युवक, युवक नहीं होते। सभी बूढ़े, बूढ़े नहीं होते। जिसे युवक होने की कला आती है, वह बूढ़ा होकर भी युवक होता है, और जिसे युवक होने की कला नहीं आती, वह युवक होकर भी बूढ़ा ही होता है। पहली तो बात, युवक हैं कहां? इस देश में तो नहीं हैं। इस देश में तो बच्चे बूढ़े ही पैदा होते हैं; गायत्री मंत्र पढ़ते हुए ही पैदा होते हैं। कोई गीता का पाठ करते चले आ रहे हैं! कोई राम-नाम जपते चले आ रहे हैं! कोई राम-नाम जपते चले आ रहे हैं! इस देश में युवक हैं कहां? शक्ल-सूरत से भला युवक मालूम पड़ते हों, मगर युवक होना शक्ल-सूरत की बात नहीं। युवक होना उम्र की बात नहीं। युवक होना एक बड़ी और ही, बड़ी अनूठी अनुभूति है-एक आध्यात्मिक प्रतीत है! तो पहले तो इस सत्य को समझने की कोशिश करो कि युवा होना क्या है! तुम्हारी उम्र पच्चीस साल है, इसलिए तुम युवा हो, इस भ्रांति में मत पड़ना। उम्र से क्या वास्ता? पच्चीस साल के भला होओ, लेकिन तुम्हारी धारणाएं क्या है? तुम्हारी धारणाएं तो इतनी पिटी-पिटाई हैं, इतनी मुर्दा हैं, इतनी सड़ी-गली हैं, इतनी सदियों से तुम्हारे ऊपर लदी हैं-तुम्हें उन्हें उतारने का भी साहस नहीं है। तुम जंजीरों को आभूषण समझते हो। और तुम, जो बीत चुका, अतीत, उसमें जीते हो। और फिर भी अपने को युवा मानते हो? युवा हो-और पूजते हो जो मर गया उसको! जो बीत गया उसको! जो जा चुका उसको! तुम्हारी धारणाओं का जो स्वर्ण-युग था वह अतीत में था, तो तुम युवा नहीं हो। राम-राज्य, सतयुग सब बीत चुके। वहीं तुम्हारी श्रद्धा है, लेकिन न तुम विचार करते हो, न तुम श्रद्धा के कभी भीतर प्रवेश करते हो कि श्रद्धा है भी, या सिर्फ थोथा एक आवरण है? पक्षी तो कभी का उड़ गया, पिंजरा पड़ा है। तुम कुछ भी मानते चले जाते हो! इतने अंधेपन में युवा नहीं हो सकते। जैसे उदाहरण के लिए, कोई ईसाई कहे कि मैं युवा हूं और फिर भी मानता हो कि जीसस का जन्म कुंवारी मरियम से हुआ था, तो मैं उसे युवा नहीं कह सकता। ऐसी मूढ़तापूर्ण बात, कुंवारी मरियम से कैसे जीसस का जन्म हो सकता है? अगर तुम मान सकते हो, तो तुम अंधे आदमी हो, तुम्हारे पास विवेक ही नहीं है, उसके पास श्रद्धा क्या खाक होगी! जिसके पास संदेह की क्षमता नहीं है, उसके पास श्रद्धा की भी संभावना नहीं होती।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

दया याचिकाओं को निपटाने में विलंब

अनूप भटनागर

उच्चतम न्यायालय के सख्त रुख के बावजूद बेअंत सिंह हत्याकांड में मौत की सजा पाने वाले बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका के निपटारे में लगातार अनिर्णय की स्थिति कई सवाल पैदा कर रही है। ऐसे मामलों में न्यायपालिका पहले भी कई दोषियों की सजा उम्रकैद में तबदील कर चुकी है। ऐसा लगता है कि शीर्ष अदालत की तल्ख टिप्पणियों और दोषियों को सजा में राहत देने के बावजूद कार्यपालिका ऐसे मामलों के प्रति ज्यादा गंभीर नजर नहीं आती।माफी याचिका पर निर्णय में अत्यधिक विलंब पर न्यायालय की व्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में ही पहला सवाल यही है कि आखिर किस वजह से राजोआना की माफी देने की प्रक्रिया सितंबर, 2019 के प्रस्ताव के बाद भी आगे क्यों नहीं बढ़ सकी? देश की सर्वोच्च अदालत का स्पष्ट मत रहा है कि किसी अपराधी का अपराध भले ही बहुत जघन्य हो सकता है लेकिन न्यायालय संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त जीने के अधिकार को सबसे ऊपर रखता है और उसकी सजा पर अत्यधिक विलंब उसे मानसिक यंत्रणा ही देता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सितंबर, 1993 में युवक कांग्रेस के अध्यक्ष मनिन्दर सिंह बिट्टा को निशाना बनाकर युवक कांग्रेस कार्यालय पर हुए बम विस्फोट की घटना के सिलसिले में अदालत ने देविन्दरपाल सिंह भुल्लर को मौत की सजा सुनाई थी। इस मामले में भुल्लर ने 14 जनवरी, 2003 को राष्ट्रपति के पास दया याचिका दायर की थी, जिसे उन्होंने 14 मई, 2011 को अस्वीकार किया था। शीर्ष अदालत ने दया याचिका के निपटारे में विलंब के मद्देनजर ही मार्च, 2014 में उसकी सजा को उम्रकैद में तबदील कर दिया था। पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह हत्याकांड में मौत की सजा पाने वाले राजोआना की दया याचिका के मामले में भी केन्द्र सरकार का रवैया इसी तरह का नजर आ रहा है। उसकी दया याचिका 2012 से लंबित है। ऐसा लगता है कि सरकार ने अगर राजोआना मामले में अपना ढुलमुल रवैया नहीं बदला तो न्यायपालिका द्वारा उसकी मौत की सजा को उम्रकैद में तबदील किये जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। संविधान के अनुच्छेद 72 के अंतर्गत राष्ट्रपति और अनुच्छेद 161 के अंतर्गत राज्य के राज्यपाल को कतिपय मामलों में माफी देने, सजा निलंबित करने या इसे कम करने का अधिकार प्राप्त है। राजोआना को अगस्त, 1995 में मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की बम विस्फोट में मृत्यु में संलिप्तता के तहत मौत की सजा सुनायी गयी थी। वह पिछले 25 साल से जेल में बंद है और उसकी दया याचिका 2012 से राष्ट्रपति के पास विचाराधीन है। स्थिति यह हो गयी है कि न्यायालय केन्द्र सरकार से जानना चाहता है कि संबंधित प्राधिकारी राजोआना के मामले में अनुच्छेद 72 के अंतर्गत अपना प्रस्ताव राष्ट्रपति के पास कब भेजेंगे। सरकार का कहना है कि सक्षम प्राधिकारी इस पर गौर कर रहे हैं। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि फरवरी, 2019 में न्यायमूर्ति एनवी रमण की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने पत्नी और पांच बच्चों की हत्या करने वाले मुजरिम की मौत की सजा उम्रकैद में तबदील करने का फैसला सुनाया था। इस मामले में दोषी की दया याचिका के निपटारे में करीब पांच साल का विलंब हो गया था। इस मामले में न्यायालय ने कहा था कि मौत की सजा पाने वाले व्यक्ति की अंतिम आस दया याचिका पर ही टिकी होती है और दोषी का एक-एक दिन मौत के इंतजार में ही गुजरता है। ऐसी स्थिति में दया याचिका के निपटारे में अत्यधिक विलंब होने पर मुजरिम राहत पाने का हकदार है।इन न्यायिक व्यवस्थाओं से यह तो स्पष्ट है कि राजोआना को भी मौत की सजा से देर-सवेर राहत मिलना निश्चित है। देखना यह है कि राजोआना की दया याचिका पर कार्रवाई करते हुए राष्ट्रपति उसकी सजा को उम्रकैद में तबदील करते हैं या फिर भुल्लर और इसी तरह के एक अन्य मामले की तरह शीर्ष अदालत उसे राहत प्रदान करती है।बहरहाल, दया याचिकाओं के निपटारे में अत्यधिक विलंब की घटनायें केन्द्र और राज्य सरकार के ढुलमुल रवैये पर सवाल खड़ा करती हैं। जरूरत है कि केन्द्र और राज्य स्तर पर दया याचिकाओं के समयबद्ध तरीके से निपटारे के बारे में उचित व्यवस्था की जाये और इसमें विलंब होने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की जाये। इस तरह की व्यवस्था करके ही घृणित और बर्बरतापूर्ण अपराध के लिये मृत्युदंड पाने वाले दोषियों की सजा पर एक निश्चित समय के भीतर अमल सुनिश्चित किया जा सकेगा और समाज को विश्वास दिलाया जा सकेगा कि ऐसे अपराध करने वाले अपराधी सजा से बच नहीं सकते।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोना 297 रुपये मजबूत, चांदी में 1,404 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के साथ दिल्ली सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन मंगलवार को सोना 297 रुपये बढ़कर 48,946 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 48,649 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी इस दौरान 1,404 रुपये की तेजी के साथ 65,380 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी जो इससे पिछले कारोबारी सत्र में 63,976 रुपये प्रति किलोग्राम थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, सोना मजबूत होकर 1,858 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी लाभ के साथ 25.39 डॉलर प्रति औंस पर पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''दुनिया भर में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को लेकर निवेशक सतर्क हो गये और सोने की कीमतों में मजबूती आई। संक्रमण के मामले दोबारा से बढ़ने से आर्थिक सुधार को लेकर चिंता बढ़ी है, जिससे सर्राफा की लिवाली बढ़ गई।''

दिसंबर में 4.59% रही खुदरा महंगाई दर, नवंबर के मुकाबले बड़ी गिरावट

बिजनेस डेस्क: दिसंबर में खुदरा महंगाई दर में गिरावट देखी गई है। सरकार की ओर जारी आकंडों के अनुसार, दिसंबर में खुदरा महंगाई दर गिरकर 4.59 प्रतिशत पर आ गई है जो कि नवंबर के मुकाबले 2.34 प्रतिशत कम है। इससे पहले नवंबर में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 6.93 प्रतिशत पर रही थी। खुदरा महंगाई दर से जुड़े ये आंकड़े आम लोगों, सरकार और आरबीआई के लिए काफी राहत भरी है क्योंकि इससे ब्याज दरों में और कटौती की गुंजाइश बढ़ गई है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर में मुद्रास्फीति मई 2014 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर 7.61 प्रतिशत पर रही थी।

आईआईपी में गिरावट

नवंबर, 2020 में इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन में 1.9 प्रतिशत का संकुचन देखने को मिला। अक्टूबर, 2020 में आईआईपी में 3.6 प्रतिशत का ग्रोथ देखने को मिला था। वहीं, नवंबर, 2021 में आईआईपी में 2.1 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली थी।

ओप्पो एन्को एक्स वायरलेस इयरफोन को भारत में 18 जनवरी को किया जाएगा लॉन्च

नई दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली चीनी कंपनी ओप्पो ने मंगलवार को ऐलान किया कि कंपनी द्वारा 18 जनवरी को भारत में रेनो 5जी स्मार्टफोन के साथ वायरलेस ईयरफोन एन्को एक्स को पेश किया जाएगा, जिसमें नॉइज कैंसिलेशन फीचर दिया गया है। डुअल माइक्रोफोन डिजाइन का इस्तेमाल करते हुए ईयरफोन में एक्टिव नॉइज कैंसिलेशन फीचर को मल्टीपल मोड के साथ पेश किया गया है, जिससे यूजर्स चार अलग-अलग सेटिंग्स मैक्स नॉइज कैंसिलेशन, नॉइज कैंसिलेशन, ट्रांसपरेंसी मोड और नॉइज कैंसिलेशन ऑफ के माध्यम से अपने रोजमर्रा की सुनने की आवश्यकताओं को और बेहतर व अनुकूल बनाने के लिए नॉइज रिडक्शन स्ट्रेंथ का चुनाव कर सकते हैं और अपने हिसाब से कस्टमाइज कर सकते हैं। इन सेटिंग्स की मदद से यूजर्स चाहें घर के अंदर हो या कहीं बाहर, शोर-शराबे को पूरी तरह से ब्लॉक कर खुद जो सुन रहे हैं उस पर पूरी तरह से फोकस कर सकते हैं। कंपनी ने अपने एक बयान में कहा है, ओप्पो इंको एक्स टू वायरलेस नॉइज कैंसिलेशन ईयरफोन को वीडियोग्राफी एक्सपर्ट ओप्पो रेनो5 प्रो 5जी के साथ लॉन्च किया जाएगा। ओप्पो के रेनो ग्लो को एक अनोखे एजी ग्लास प्रोसेस डिजाइन में तैयार किया गया है, जो एक मैट फिनिश के साथ कुछ चमकदार भी होगा। फ्लैगशिप स्पेसिफिकेशंस और प्रीमियम हार्डवेयर द्वारा संचालित ओप्पो इंको एक्स टू वायरलेस नॉइज कैंसिलेशन ईयरफोन ओप्पो के डीबीईई 3.0 साउंड सिस्टम और एलएचडीसी (लो लेटेंसी और हाई-डेफिनेशन ऑडियो कोडेक) वायरलेस ट्रांसमिशन से लैस है।

यदि तय समय तक आई-टी रिटर्न दाखिल नहीं किया है, तो जुर्माना अदा करें : सीबीडीटी

नई दिल्ली।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आई-टी रिटर्न दाखिल करने के लिए नियत तारीखों के और विस्तार की प्रतीक्षा कर रहे सभी करदाताओं की उम्मीदों को धराशायी करते हुए कहा कि इस प्रक्रिया में अनिश्चितकाल देरी नहीं की जा सकती। इससे कर विभाग की कार्यप्रणाली और सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इस निर्णय का अर्थ है कि व्यक्तिगत करदाता जो रिटर्न भरने के लिए 10 जनवरी की समय सीमा से चूक गए हैं, उन्हें अब इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए जुर्माना देना पड़ सकता है। इसी तरह, जिन करदाताओं को रिटर्न दाखिल करने से पहले ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करनी होगी, उन्हें 15 जनवरी तक ऐसा करना होगा और 15 फरवरी तक अपना रिटर्न दाखिल करना होगा। आयकर विभाग ने रिटर्न भरने की तारीखों को आगे बढ़ाने के लिए कई अभ्यावेदन(रिप्रेजेंटेशन) प्राप्त किए थे, क्योंकि महामारी की वजह से व्यवधान के कारण समस्याएं पैदा हो रही थीं। यह सुझाव था कि सभी श्रेणियों के करदाताओं के लिए तारीखों को बढ़ाकर 31 मार्च कर दिया जाए। बोर्ड ने यह भी कहा कि भारत अन्य वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक उदार रहा है। इसके अलावा, इस साल दाखिल किए गए रिटर्न के आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि संख्या पिछले साल की तुलना में अधिक है। 2019-20 में, नियत तिथि तक लगभग 5.62 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे और इस वर्ष (2020-21) 10 जनवरी तक पहले से ही 5.95 आईटीआर दायर किए गए हैं। सीबीडीटी ने अपने आदेश में कहा कि आगे कोई भी विस्तार रिटर्न फाइलिंग अनुशासन पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा और उन लोगों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने नियत समय से पहले रिटर्न फाइल करने के लिए कष्ट सहे हैं।कार्यालय के आदेश में कहा गया है कि समयसीमा विस्तार करने से कोविड के समय में गरीबों को राहत देने के सरकार के प्रयासों में भी बाधा आएगी।

भारत बायोटेक ब्राजील को देगा कोरोना वैक्सीन 'Cova&in', हुआ करार

नेशनल डेस्क: कोरोना वैक्सीन को लेकर भारत बायोटेक और ब्राजील के बीच करार हुआ है। करार के मुताबिक, भारत बायोटेक ब्राजील को 'कोवैक्सीन' टीका देगा। बता दें कि ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भारत बायोटेक- एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन की 20 लाख डोज तत्काल देने का अनुरोध किया था। ब्राजील के अलावा मोरक्को, सऊदी अरब, म्यांमार, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों ने भारत से वैक्सीन की आधिकारिक तौर पर मांग की है। गौरतलब है कि भारत की वैक्सीन अन्य देशों के मुकाबले ज्यादा सस्ती और किफायती है। वैज्ञानिक बताते हैं कि भारत की वैक्सीन ज्यादा इफैक्टिव हैं। बता दें कि DCGI ने सीरम इंस्टीट्यूट की वैक्सीन कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन के आपातकाल इस्तेमाल को अंतिम मंजूरी दी थी।

खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में घटकर 4.59 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली,

खाने का सामान सस्ता हाने से खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में तेजी से घटकर 4.59 प्रतिशत रह गयी। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़े के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति इससे पिछले महीने नवंबर में 6.93 प्रतिशत रही थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार खाद्य मुद्रस्फीति दिसंबर 2020 में घटकर 3.41 प्रतिशत रह गयी जो एक महीने पहले 9.5 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति पर विचार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है।

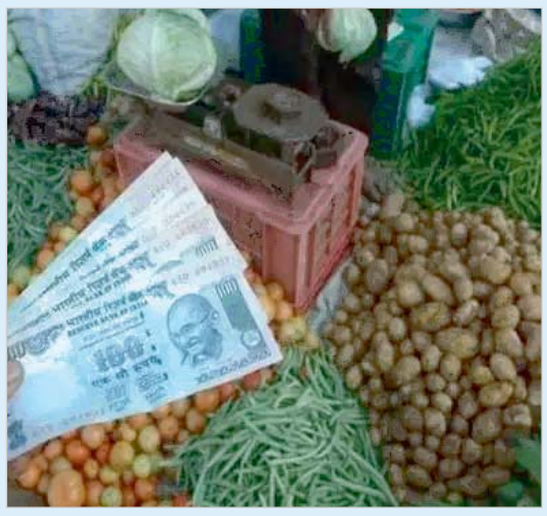

सेंसेक्स 248 अंक मजबूत होकर नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर, निफ्टी 14,500 अंक से ऊपर निकला

मुंबई:

बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 248 अंक और चढ़कर सर्वकालिक ऊंचाई पर बंद हुआ। सकारात्मक वैश्विक रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का पूंजी प्रवाह जारी रहने के बीच बाजार में अच्छी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की अगुवाई में यह तेजी आई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 247.79 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 49,517.11 अंक के अब तक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह रिकॉर्ड 49,569.14 अंक तक चला गया था। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 78.70 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,563.45 अंक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 14,590.65 अंक के रिकॉर्ड स्तर तक गया। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) रहा। इसमें करीब 4 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, एक्सिस बैंक और एनटीपीसी लाभ में रहीं। दूसरी तरफ जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, उनमें एशियन पेंट्स, एचयूएल, नेस्ले इंडिया, टाइटन और कोटक बैंक शामिल हैं। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति मामलों के प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार मजबूत बना हुआ है। दोनों सूचकांक दिन के न्यूनतम स्तर से बाहर निकलते हुए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। उन्होंने कहा कि आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में बैंकों को लेकर चिंता जताए जाने के बावजूद बैंक शेयर शुरूआती गिरावट से उबरते हुए लाभ में रहे। इसके अलावा वाहन कंपनियों के शेयरों को लेकर आकर्षण बना हुआ है। साथ ही कंपनियों के तीसरी तिमाही के बेहतर वित्तीय परिणाम की उम्मीद और मजबूत परिदृश्य बाजार को मजबूती प्रदान कर रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध लिवाल बने हुए हैं। शेयर बाजार के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार एफआईआई ने सोमवार को शुद्ध रूप से 3,138.90 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई कंपोजिट सूचकांक, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की लाभ में रहे जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में शुरूआती कारोबार में सकारात्मक रुख रहा। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 56.55 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

पॉलिसी में बदलाव पर व्हाट्सऐप की सफाई, कहा- प्राइवेसी पर असर नहीं होगा

नई दिल्ली:

व्हाट्सऐप ने मंगलवार को कहा कि उसके ताजा नीतिगत बदलावों से संदेशों की गोपनीयता प्रभावित नहीं होती है और इसके साथ ही फेसबुक के स्वामित्व वाली कंपनी ने उपयोगकर्ताओं के डेटा की सुरक्षा को लेकर चिंताओं को दूर करने की कोशिश की। व्हाट्सऐप ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि वह विज्ञापनों के उद्देश्य से उपयोगकर्ताओं की संपर्क सूची या समूहों के डेटा को फेसबुक के साथ साझा नहीं करती है और व्हाट्सऐप या फेसबुक न तो व्हाट्सऐप पर उपयोगकर्ताओं के संदेश को पढ़ सकते हैं और न ही कॉल सुन सकते हैं। पिछले हफ्ते व्हाट्सऐप ने अपनी सेवा शर्तों और गोपनीयता नीति में एक बदलाव के बारे में बताया था कि वह किस तरह उपयोगकर्ताओं के डेटा का इस्तेमाल करती है और किसी तरह फेसबुक के साथ उन्हें साझा किया जाता है। व्हाट्सऐप ने यह भी कहा कि उसकी सेवा का उपयोग जारी रखने के लिए उपयोगकर्ताओं को आठ फरवरी 2021 तक नई शर्तों और नीति को स्वीकार करना होगा। इसके बाद व्हाट्सऐप द्वारा कथित रूप से फेसबुक के साथ उपयोगकर्ताओं की सूचना साझा करने को लेकर इंटरनेट पर चर्चा शुरू हो गई और कई लोगों ने टेलीग्राम और सिग्नल जैसे प्रतिस्पर्धी मंचों पर शिफ्ट करना शुरू कर दिया। व्हाट्सऐप ने कहा, ''हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि नीति में बदलाव से किसी भी तरह से दोस्तों या परिवार के साथ आपके संदेशों की गोपनीयता प्रभावित नहीं होगी। इसकी जगह इस बदलाव में व्हाट्सएप पर किसी व्यवसाय को संदेश देने से संबंधित परिवर्तन शामिल हैं, जो वैकल्पिक है, ये इस बारे में अधिक पारदर्शिता लाते हैं कि हम किस तरह डेटा जमा करते हैं और उपयोग करते हैं।'' ब्लॉग में कहा गया कि व्हाट्सऐप मैसेजिंग को तेज और विश्वसनीय बनाने के लिए एड्रेस बुक से केवल फोन नंबर (उपयोगकर्ता की अनुमति पाने के बाद) तक पहुंचा जाता है और फेसबुक के अन्य ऐप के साथ संपर्क सूची साझा नहीं की जाती है। साथ ही कहा गया कि विज्ञापनों के लिए फेसबुक के साथ इस डेटा को साझा नहीं किया जाता है। इंटरनेट सुरक्षा शोधकर्ता राजशेखर राजाहरिया की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कम से कम 1,700 निजी व्हाट्सएप ग्रुप के लिंक एक वेब खोज के माध्यम से गूगल पर दिखाई दे रहे थे। गौरतलब है कि महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा, पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा और फोनपे के सीईओ समीर निगम सहित कई कारोबारी दिग्गजों ने कहा है कि वे दूसरे मंचों पर चले जाएंगे।

शुभलक्ष्मी पानसे ने PNB हाउसिंग फाइनेंस के स्वतंत्र निदेशक पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली: पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने मंगलवार को कहा कि उसकी स्वतंत्र निदेशक शुभलक्ष्मी पानसे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, ताकि वह कैन फिन होम्स में अपनी भूमिका जारी रख सके। शुभलक्ष्मी पानसे को जुलाई 2017 में पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया था। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने बताया कि चूंकि दोनों कंपनियां प्रतिस्पर्धी हैं, इसलिए कॉरपोरेट प्रशासन के सिद्धांतों के अनुसार दोनों कंपनियों में से किसी के साथ पानसे बनी रह सकती थीं।

अमेजन ने SEBI को लिखा पत्र, फ्यूचर-रिलायंस सौदे की समीक्षा को निलंबित करने का किया आग्रह

बिजनेस डेस्क:

ई-वाणिज्य क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अमेजन ने एक बार फिर से बाजार नियामक सेबी को पत्र लिखा है, जिसमें नियामक से सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केन्द्र में मध्यस्थता न्यायाधिकरण के गठन को देखते हुये उससे 24,713 करोड़ रुपए के फ्यूचर-रिलायंस इंडस्ट्रीज सौदे की समीक्षा को निलंबित करने का आग्रह किया गया है। सूत्रों के अनुसार, अमेजन ने दिल्ली उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच के समक्ष भी न्यायालय के एकल सदस्यीय पीठ के फैसले के खिलाफ 21 दिसंबर को अपील दायर की है। दिल्ली उच्च न्यायालय की एक सदस्यीय पीठ ने 21 दिसंबर को दिए अपने फैसले में अमेजन द्वारा नियायामकीय प्राधिकरण को लिखे जाने से रोकने के फ्यूचर समूह की याचिका को खारिज कर दिया था लेकिन इसके साथ ही नियामकों को सौदे पर निर्णय लेने के मामले में काम जारी रखने पर भी सहमति जता दी थी। अमेजन नियामकीय प्राधिकरणों को सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केन्द्र (एसआईएसी) के मध्यस्थता निर्णय के बारे में जानकारी दे रहा था। इस दौरान अदालत ने कई तरह की टिप्पणियां भी कीं। जिसमें उसने कहा कि अमेजन द्वारा भारतीय कंपनी की गैर-सूचीबद्ध इकाई के साथ कई तरह के समझौतों के जरिए फ्यूचर रिटेल पर नियंत्रण करने का प्रयास फेमा के एफडीआई नियमों का उल्लंघन होगा। बहरहाल, अमेजन और फ्यूचर समूह को इस मामले में भेजे गए ई-मेल का कोई जवाब नहीं आया। अमेजन ने 5 जनवरी को भेजे पत्र में सेबी को एसआईएसी में मध्यस्थता प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए मध्यस्थता न्यायाधिकरण के

गठन के बारे में सूचित किया। इस स्थिति को देखते हुए अमेजन ने सेबी से उसके द्वारा की जा रही सौदे की समीक्षा को निलंबित करने और मामले में अनापत्ति नहीं देने का आग्रह किया है। पत्र में बाजार नियामक से भारतीय शेयर बाजारों को यह निर्देश देने का भी आग्रह किया गया है कि वह फ्यूचर रिटेल लिमिटेड को किसी तरह की अनापत्ति अथवा मंजूरी नहीं दें।

स्पेक्ट्रम नीलामी : दूरसंचार कंपनियों ने नीलामी पूर्व सम्मेलन में भाग लिया

नयी दिल्ली

रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया जैसी प्रमुख दूरसंचार कंपनियों ने मंगलवार को स्पेक्ट्रम नीलामी पूर्व सम्मेलन में भाग लिया और दूरसंचार विभाग ने उनसे 15 जनवरी तक नियमों और प्रक्रियाओं के बारे में लिखित रूप से सवाल पूछने के लिए कहा है। उद्योग से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नीलामी पूर्व सम्मेलन के दौरान परिचालकों ने अग्रिम जमाओं और रोल-आउट दायित्वों जैसे पहलुओं पर सवाल पूछे। दूरसंचार विभाग के सूत्रों ने कहा कि जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया सहित दूरसंचार कंपनियों ने मंगलवार को नीलामी पूर्व सम्मेलन में भाग लिया। विभाग ने अब परिचालकों से 15 जनवरी तक अपने सवाल लिखित रूप से भेजने के लिए कहा है। डॉट ने पहले ही स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए सात बैंड - 700, 800, 900, 1800, 2100, 2300 और 2500 मेगा हर्ट्स बैंड में आवेदन करने के लिए एक नोटिस जारी किया है और बोली एक मार्च से शुरू होने वाली है। पिछले महीने केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आधार मूल्य पर 3.92 लाख करोड़ रुपये मूल्य के स्पेक्ट्रम की नीलामी के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। दूरसंचार कंपनियों को नीलामी में भाग लेने के लिए पांच फरवरी तक अपना आवेदन जमा करना होगा। बीएनपी परिबास ने पिछले हफ्ते कहा था कि भारत में स्पेक्ट्रम नीलामी ऐसे बाजार में बदल गई, जहां एक खरीदार है और इसमें स्पेक्ट्रम के लिए परिचालकों के बीच ''न्यूनतम प्रतिस्पर्धा'' देखने को मिल सकती है। परिचालक खत्म हो रहे स्पेक्ट्रम के नवीनीकरण कराने के जगह अपने धन का सर्वोत्तम मूल्य पाने पर जोर देंगे। स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए उलटी गिनती शुरू होने के बीच आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने कहा कि स्पेक्ट्रम की अंतिम कीमत आरक्षित मूल्य के बराबर होगी, क्योंकि रोडियोवेव की पर्याप्त आपूर्ति है और खत्म हो रहे रेडियोवेव की सीमित मांग रहने का अनुमान है।दूरसंचार उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी नीलामी में आक्रामक ढंग से बोली नहीं लगाई जाएगी और इसमें वृद्धि की जगह उद्योग की निरंतरता बनाए रखने पर अधिक जोर दिया जाएगा।

फेसबुक ने रॉय ऑस्टिन को बनाया सिविल राइट्स का नया वीपी

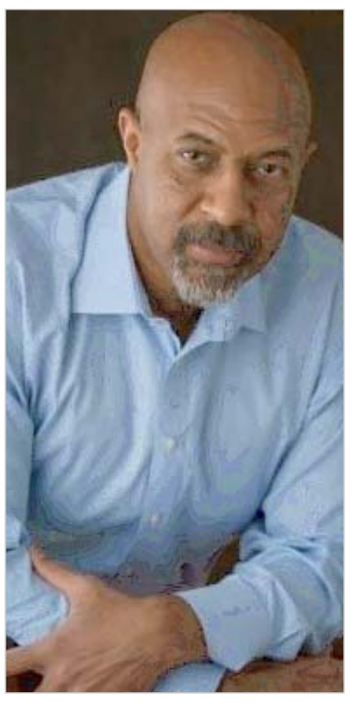

सैन फ्रांसिस्को ।

फेसबुक ने कंपनी के नए सिविल राइट्स ऑर्गेनाइजेशन की स्थापना के लिए सुप्रसिद्ध नागरिक अधिकार अटॉर्नी व वकील रॉय एल. ऑस्टिन को वाइस प्रेसिडेंट (वीपी) नियुक्त किया है। कंपनी ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, ऑस्टिन 19 जनवरी से सिविल राइट्स के वीपी और डिप्टी जनरल काउंसल की जिम्मेदारियां निभाएंगे और वह वॉशिंगटन में रहकर अपना पद संभालेंगे। फेसबुक में शामिल होने से पहले ऑस्टिन लॉ फर्म हैरिस, विल्टशायर एंड गैनिस एलएलपी में कार्यरत थे, जहां वह वह आपराधिक रक्षा और नागरिक अधिकार कानून के विशेषज्ञ थे ऑस्टिन कहते हैं, प्रौद्योगिकी की भूमिका हमारी जिंदगी में अहम है और यह जरूरी है कि इसका इस्तेमाल पहले हुए भेदभाव और घृणा से उबरने में किया जाए, जिसका सामना कई कमजोर वर्गों ने किया है, न कि इसे बढ़ाने में इसका उपयोग हो। मैं एक ऐसी कंपनी में शामिल होने के मौके को नहीं ठुकरा सका, जिनके उत्पादों का इस्तेमाल कई लोगों के द्वारा किया जाता है और जिसका प्रभाव अरबों लोगों के के नागरिक अधिकार और स्वतंत्रता पर है, जो बेहतर ढंग से उन्हें आगे बढ़ने में मददगार है। ऑस्टिन के पास नागरिक अधिकारों के वकील और अधिवक्ता के रूप में काम करने का 25 साल का अनुभव है। उन्होंने अमेरिकी न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग में आपराधिक अनुभाग के साथ एक ऑनर्स ट्रायल अटॉर्नी के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी।

देश के छोटे शहरों में ऑनलाइन पेमेंट में 80 फीसदी इजाफा : रिपोर्ट

बेंगलुरू।

साल 2020 में महामारी की वजह से लगाए गए लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग के चलते साल 2019 के मुकाबले ऑनलाइन लेनदेन में 80 फीसदी तक का इजाफा देखने को मिला है। खासकर छोटे शहरों में यह बदलाव अधिक देखा गया है, जहां व्यवसायियों से लेकर खरीददारों तक सभी ने उल्लेखनीय रूप से डिजिटल पेमेंट को अपनाया है। मंगलवार को जारी एक नई रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। फिनटेक यूनिकॉर्न रेजरपे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, टियर-2 और 3 शहरों में लोगों द्वारा ऑनलाइन लेनदेन को अधिक अपनाए जाने के मद्देनजर इसमें 92 फीसदी तक इजाफा हुआ। बिल वगैरह भरने के लिए लोगों ने पैसे के लेनदेन की जगह डिजिटल पेमेंट को अधिक उपयोगी समझा, जिसके चलते यूटिलिटी पेमेंट और ऑनलाइन बिल पेमेंट में 357 फीसदी का उछाल देखा गया। रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया कि इस दौरान क्रेडिट/डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग और वॉलेट पेमेंट के मुकाबले यूपीआई के जरिए अधिक लेनदेन हुए। साल 2019 के मुकाबले साल 2020 में यूपीआई ट्रांजैक्शन को लोगों ने पेमेंट का अधिक बेहतर जरिया माना और इसी के चलते महज एक ही साल में इसमें 120 फीसदी तक का उछाल देखने को मिला। ऐसा खासकर टीयर-2 और टीयर-3 शहरों में हुआ। रेजरपे के सह-संस्थापक और सीईओ हर्षिल माथुर ने कहा, साल 2019 के मुकाबले 2020 में टोटल ऑनलाइन ट्रांजैक्शन में उछाल जरूर देखने को मिला, लेकिन मेरे लिए सबसे अधिक उत्साहजक बात यह रही कि साल की अंतिम छमाही में अकेले इसमें 73 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

टीयर-2 और टीयर-3 शहरों के ऑनलाइन लेनदेन में लगभग 92 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। देश के इन हिस्सों से ऑनलाइन पेमेंट के क्षेत्र में इस कदर इजाफा हमें पहली दफा देखने को मिला है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : हैदराबाद की ओडिशा पर 6 रन से रोमांचक जीत

कोलकाता।

हैदराबाद ने मंगलवार को जाधवपुर यूनिवर्सिटी कैम्पस में खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 टूर्नामेंट के एलीट ग्रुप-बी मैच में ओडिशा को छह रन से हरा दिया। हैदराबाद की दो मैचों में यह पहली और ओडिशा की लगातार दूसरी हार है। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 153 रन का स्कोर बनाया। टीम के लिए तिलक वर्मा ने 44 और कप्तान तन्मय अग्रवाल ने 34 रन बनाए। हिमालय अग्रवाल ने भी 22 रनों की पारी खेली। ओडिशा की ओर से प्रधान तीन और ए यादव ने दो विकेट लिए। हैदराबाद से मिले 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओडिशा की टीम निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 147 रन ही बना सकी। टीम के लिए कप्तान एस सेनापति ने नाबाद 43 और गोविंदा पोददार ने सर्वाधिक 50 रन बनाए। हैदराबाद के लिए चामा वी मीलिंड और रवि तेजा ने दो-दो विकेट लिए।

आईएसएल-7

राउंड 2 के पहले मैच से तीन अंक हासिल करना चाहेंगे चेन्नइयन, ओडिशा

बोम्बोलिम (गोवा)।

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन के राउंड-2 मुकाबले मंगलवार से खेले जाएंगे और बुधवार को बोम्बोलिम के जीएमसी स्टेडियम में दो बार के चैम्पियन चेन्नइयन एफसी का सामना ओडिशा एफसी होगा और दोनों ही टीमें इस मैच से पूरे तीन अंक हासिल करना चाहेंगी। दोनों ही टीमों ने अपने पिछले मुकाबले में अपने स्तर के साथ न्याय नहीं किया है और यही कारण है कि वे आज नीचे से चार टीमें में शामिल हैं। ओडिशा जहां 11 टीमों की तालिका में सबसे नीचे है वहीं चेन्नइयन 11 अंकों के साथ आठवें स्थान पर है। कुछ दिन पहले ही दोनों की आपस में भिड़ंत हुई थी और वह मैच गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ था। ओडिशा के कोच स्टुअर्ट बॉक्सटर ने बीते गोलरहित मुकाबले को लेकर कहा कि चार दिनों के भीतर दूसरी बार भिड़ना अच्छा भी है और बुरा भी। इसे अपने स्तर पर लिया जा सकता है। बॉक्सटर ने कहा, यह उसी तरह है जैसे आप किसी आधे भरे ग्लास को आधा भरा या आधा खाली कहें। जो स्थिति है वह दोनों टीमों के लिए है और हम इसी सकारात्मक रूप से लेते हुए मुकाबले में उतरेंगे। बॉक्सटर ने हालांकि यह बताने से इंकार किया कि वह चेन्नइयन के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले में बदली हुई रणनीति के साथ उतरेंगे या नहीं। बॉक्सटर ने हालांकि इसकी सम्भावना से इंकार भी नहीं किया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम के कुछ खिलाड़ी चोटिल हैं और ऐसे में वह तत्काल कोई फैसला नहीं ले सकते। चेन्नइयन एफसी इस सीजन में गोल नहीं कर पा रही है। उसने इस सीजन में सिर्फ 8 गोल किए हैं और 11 गोल खाए हैं। बीते रविवार को रहीम अली और जाकुब सिल्वेस्टर जैसे खिलाड़ी मौके बनाने के बावजूद गोल नहीं कर सके। चेन्नइयन ने इस सीजन में सभी टीमों की तुलना में सबसे कम गोल किए हैं लेकिन अब वह इस स्थिति से निकलते हुए तीन अंक हासिल करना चाहती है। कोच काबा लाजलो के लिए यह सबसे बड़ी समस्या है और उन्होंने यह स्वीकार भी किया है। लाजलो ने कहा, मेरे लिहाज से अभी हमारी सबसे बड़ी समस्या गोल न कर पाना है। हम मौके तो बना रहे हैं लेकिन गोल नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में तो हमें मैच जीतने में मुश्किल होगी ही।

टेस्ट रैंकिंग : कोहली तथा रहाणे फिसले, पुजारा 8वें स्थान पर पहुंचे

दुबई।

आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की ताजातरीन रैंकिंग में भारत के नियमित कप्तान विराट कोहली और कार्यकारी कप्तान अजिंक्य रहाणे को जहां नुकसान हुआ है वहीं सिडनी टेस्ट में जुझारू पारियां खेलने वाले चेतेश्वर पुजारा को फायदा हुआ है। एडिलेड टेस्ट के बाद मेलबर्न और सिडनी में नदारद रहने वाले कोहली एक स्थान नीचे खिसकते हुए तीसरे क्रम पर पहुंच गए हैं। रहाणे को भी एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह सातवें स्थान पर खिसक गए हैं। दूसरी ओर, पुजारा को दो स्थान का फायदा हुआ है और वह आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पुजारा ने सिडनी में 50 और 77 रनों की पारी खेली थी। रहाणे ने मेलबर्न टेस्ट में शतक जमाने के बाद सिडनी में 22 और चार रन बनाए। कोहली अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश में हैं। उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा ने सोमवार को बेटी को जन्म दिया है। सिडनी में पहली पारी में 36 और दूसरी पारी में शानदार 97 रन बनाने वाले ऋषभ पंत 26वें से 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इसी तरह सिडनी टेस्ट को ड्रॉ कराने वाले हनुमा विहारी, रविचंद्रन अश्विन और ओपनर शुभमन गिल को भी फायदा हुआ है। बल्लेबाजों की सूची में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन पहले स्थान पर काबिज हैं। सिडनी में शानदार शतक लगाकर मैन ऑफ द मैच चुने जाने वाले स्टीव स्मिथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों की सूची में अश्विन और जसप्रीत बुमराह को नुकसान हुआ है। दोनों क्रमशः नौवें और 10वें स्थान पर हैं। आस्ट्रेलिया के पैट कमिंस टॉप रैंक के गेंदबाज हैं।

जिब्राल्टर फीडे महिला ग्रां प्री स्थगित - कोनेरु हम्पी लौट सकती है वापस

जिब्राल्टर, इंग्लैंड (निकलेश जैन) फीडे नें महिला फिडे ग्रां प्री के अंतिम और चौंथे पड़ाव को को स्थगित करते हुए आगे निर्णय लिया है । एक बार फिर कोविड के बढ़ते मामलों की वजह से इस तरह का निर्णय किया गया है । पहले प्रतियोगिता को 17 जनवरी से 29 जनवरी के बीच आयोजित कराने का निर्णय लिया गया था और ऐसे में भारतीय नंबर 1 खिलाड़ी कोनेरु हम्पी नें जो की ग्रां प्री मे सबसे आगे चल रही नें सुरक्षा की दृष्टि से अपना नाम वापस ले लिया था और उनके स्थान पर अन्य खिलाड़ी को प्रवेश दिया गया था । और अब जब प्रतियोगिता को स्थगित किया गया है अब देखना यह होगा की क्या विश्व शतरंज संघ उनकी वापसी करने की दिशा मे प्रयास करेगा और एक बार फिर उनकी वापसी ग्रां में होगी ? वैसे आपको बता दे की पुरुषो की विश्व चैंपियनशिप की तरह महिला विश्व चैंपियनशिप मे भी अब फीडे कैंडीडेट महत्वपूर्ण है क्यूंकी इसे जीतने वाला ही विश्व चैम्पियन को चुनौती देता है और फीडे कैंडीडेट खेलेने का सीधा रास्ता फीडे ग्रां प्री से होकर जाता है । जब फीडे ग्रां प्री शुरू हुई तो सबसे पहले कोनेरु ने इसे जीतकर अगले वर्ष होने वाले कैंडीडेट मे जाने के अपने इरादे बता दिये और इसके बाद वह लगातार अच्छा करते हुए इसकी अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई थी और अगर वह जिब्राल्टर में खेली तो यह उनका तीसरा और अंतिम ग्रां प्री होगा और उनका कैंडीडेट में स्थान तय हो जाएगा ।

थाईलैंड ओपन : वापसी के बाद पहले ही दौर में हारी सिंधू और प्रणीत

बैंकाक ।

विश्व चैम्पियन पीवी सिंधू को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में वापसी के साथ पहले ही दौर में पराजय का सामना करना पड़ा जो योनेक्स थाईलैंड ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के शुरूआती मैच में डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट से तीन गेम में हार गई। कोरोना महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर बाधित होने के महीनों बाद छठी वरीयता प्राप्त सिंधू ने इस टूर्नामेंट के जरिए वापसी की। उन्हें 74 मिनट तक चले मुकाबले में मिया ने 16-21, 26-24, 21-13 से हरा दिया। इसके साथ ही महिला एकल में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई क्योंकि साइना नेहवाल कोरोना पॉजिटिव होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। पुरूष एकल में दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी बी साई प्रणीत को थाईलैंड के केंटाफोन वांगचारोन ने सीधे गेम में हराया। प्रणीत को 16-21, 10-21 से पराजय झेलनी पड़ी। इससे पहले मिश्रित युगल में सात्विक साइराज रांकिरेड्डी और अश्विनी पोनप्पा ने इंडोनेशिया के हफीज फैजल और ग्लोरिया विजाजा को 21-11, 27-29, 21-16 से मात दी। सिंधू ने शुरूआत अच्छी की और 6-3 की बढ़त बना ली। उसने पहले गेम में विरोधी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। दूसरे गेम में वह 11-8 से बढ़त पर थी लेकिन डेनमार्क की खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 15-14 से बढ़त बना ली। बराबरी के मुकाबले में मिया भारतीय खिलाड़ी पर भारी पड़ी। निर्णायक गेम में भी उसने लय बनाए रखी और सात मैच प्वाइंट लेकर जीत दर्ज की। साइना और एच एस प्रणय के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद कोई कोच, मैनेजर या दूसरे स्टाफ टीम के साथ मैचों के दौरान नहीं रह सकते।

संक्षिप्त समाचार

एआईसीएफ के नए अधिकारियों को मिली फिडे की मान्यता

चेन्नई। शतरंज की वैश्विक नियामक संस्था-फिडे ने अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के नए चयनित अधिकारियों को अपनी मान्यता दे दी है। फिडे ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एआईसीएफ के नए अधिकारियों का नाम अपलोड कर दिया है। उल्लेखनीय है कि भरत सिंह चौहान की खेमे वाली टीम ने बीते महीने एआईसीएफ के चुनावों में एकतरफा जीत हासिल की। चौहान की खेमे वाली टीम ने पूर्व अध्यक्ष पी.आर. वेंकटरामा राजा के खेमे को हराया। अंतिम परिणाम के अनुसार, संजय कपूर एआईसीएफ के अध्यक्ष चुने गए जबकि चौहान को सचिव और नरेश शर्मा को कोषाध्यक्ष घोषित किया गया। अब फिडे ने अपनी वेबसाइट पर संजय कपूर, सचिव चौहान और कोषाध्यक्ष शर्मा की तस्वीर के साथ उनके बारे में विस्तृत जानकारी मुहैया कराई है। चुनावों में अनंता डीपी भावेश पटेल, विप्नेश भारद्वाज, अजय अजमेरा, पीसी लालियांगथांगा और इआर नियापुंग कोनिया उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। वहीं, राजेश आर, महेंद्र ढकाल, अतुल कुमार, मुगाहो अवामी, दिलजीत खन्ना और अतनु लाहिड़ी नवनिर्वाचित संयुक्त सचिव हैं। मद्रास उच्च न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश, निर्वाचन अधिकारी के कन्नन के अनुसार, परिणामों की घोषणा पर नजर रखने के लिए कोई पर्यवेक्षक नहीं था क्योंकि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि प्रक्रिया के बावजूद इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हुए थे। उसकी उपस्थिति के लिए चुनाव पोर्टल में एक विंडो उपलब्ध कराई गई। चुने गए नए पदाधिकारी 2023 तक अपने पद पर बने रहेंगे।

कोविड-19 के कारण आस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेलेंगे इश्नर

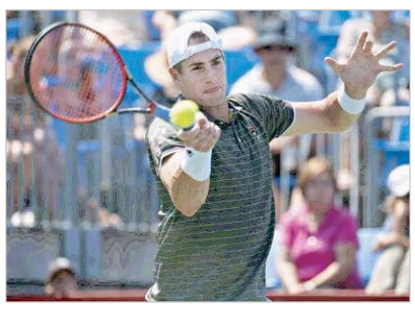

वॉशिंगटन। अमेरिका के टेनिस स्टार जॉन इश्नर ने कोविड-19 महामारी के कारण साल के पहले ग्रैंड स्लैम आस्ट्रेलियन ओपन से अपना नाम वापस लेने की घोषणा की है। इश्नर ने सोमवार को कहा कि वह अपने परिवार के साथ मेलबर्न तक की यात्रा करना चाहते थे लेकिन कोरोना के कारण यह सम्भव नहीं हो पा रहा है। सोमवार को इश्नर ने यहां डेलरे बीच ओपन के क्वार्टर फाइनल में हिस्सा लिया जहां वह अपने ही देश के सबास्टियन कोर्डा के हाथों 6-3, 4-6, 6-3 से हार गए। आस्ट्रेलियन ओपन का आयोजन 8 से 21 फरवरी के बीच होना है। इसका आयोजन 18 जनवरी से होना था लेकिन कोरोना प्रतिबंधों के कारण इसे रिशेड्यूल किया गया है।

चौथे टेस्ट में पंत बतौर बल्लेबाज और साहा विकेटकीपर के रूप में खेल सकते हैं

सिडनी।

हनुमा विहारी, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन के चोटिल होने से चौथे और अंतिम टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजी क्रम कमजोर पड़ सकता है। ऐसे में टीम प्रबंधन रिद्धिमान साहा को विकेटकीपर के रूप में जबकि ऋषभ पंत को विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में आजमा सकता है। भारत अंतिम टेस्ट के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में मयंक अग्रवाल और पृथ्वी शॉ के साथ भी जा सकता है। विहारी, जडेजा और अश्विन से पहले मोहम्मद शमी और उमेश यादव और लोकेश राहुल चोटिल होकर स्वदेश लौट चुके हैं। विराट कोहली भी अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण स्वदेश लौट चुके हैं। इन सब की गैर मौजूदगी में भारत का लाइनअप सही नहीं लग रहा है। उपरीक्रम में शुभमन गिल और रोहित शर्मा पारी की शुरूआत करेंगे जबकि चेतेश्वर पुजारा नंबर तीन पर और कप्तान अजिंक्य रहाणे नंबर चार पर बल्लेबाजी करेंगे। लेकिन नंबर पांच पर कौन होगा, यह तय नहीं है। आमतौर पर नंबर पांच पर बल्लेबाजी करने वाले हनुमा को तीसरे टेस्ट के अंतिम दिन नंबर छह पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था। उनकी जगह पर पंत नंबर पांच पर बल्लेबाजी करने उतरे थे। नंबर पांच पर पंत ने जिस तरह से बल्लेबाजी की थी, उससे पंत नंबर पर ही एक बल्लेबाज के रूप में खेल सकते हैं जबकि साहा नंबर पर छह पर खेल सकते हैं। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने सोमवार को कहर था कि भारत को तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में 97 रनों की पारी खेलने वाले पंत को बतौर बल्लेबाज खेलाना चाहिए और रिद्धिमान साहा से विकेटकीपिंग करना चाहिए। पूर्व कप्तान ने कहा, अगर वे (भारत) एक और बल्लेबाज को खेलाते हैं तो वे पांच नंबर पर अच्छा खेल सकते हैं। इससे पंत नंबर छह पर और साहा नंबर सात पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।

चोटिल बुमराह का चौथे टेस्ट में खेलना तय नहीं

ब्रिस्बेन। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के पेट की मांसपेशियों में खिंचाव है और अब शुक्रवार से ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले चौथे और अंतिम टेस्ट मैच में उनका खेलना तय नहीं लग रहा है। सिडनी में सोमवार को हुए ड्रॉ हुए तीसरे टेस्ट के बाद बुमराह अपने पेट पकड़े हुए दिखाई दिए थे और फिर बाद में उनके इस खिंचाव का स्कैन हुआ था। ऐसे में अब चौथे टेस्ट में उनके न खेलने की अटकलें लगाई जा रही है। लेकिन बीसीसीआई के एक अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि बुमराह के उपलब्ध होने की कोई पुष्टि नहीं है। उन्होंने कहा, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय टीम मंगलवार दोपहर को ब्रिस्बेन पहुंच चुकी है और अब वह अपने चोटिल खिलाड़ियों की चोट का आंकलन करेगी। चौथे टेस्ट तक फिट होने के लिए बुमराह के पास अभी तीन दिन का समय बचा हुआ है। बुमराह अगर ब्रिस्बेन टेस्ट तक फिट नहीं होते हैं तो भारतीय टीम के लिए यह एक बहुत बड़ा झटका होगा क्योंकि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, उमेश यादव और ईशांत शर्मा पहले ही टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं। ईशांत चोट के कारण आस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं गए थे।

सिडनी में स्मिथ भारतीय बल्लेबाज पंत का गार्ड नहीं मिटा रहे थे : पेन

सिडनी।

आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने कहा है कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के आखिरी दिन सोमवार को उनके साथी स्टीव स्मिथ भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत का गार्ड नहीं मिटा रहे थे। स्मिथ की हरकत को लेकर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। आखिरी दिन के पहले सत्र में स्टम्प के कैमरा ने स्मिथ को पंत का गार्ड मिटाते हुए देखा। पंत ने इसके बाद दोबारा गार्ड लिया और 118 गेंदों पर 97 रनों की पारी खेली। पेन ने ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने इस बारे में स्टीव से बात की और मुझे पता है कि जिस तरह चीजों को दिखाया गया उससे वह काफी निराश थे। उन्होंने कहा, अगर आप स्टीव स्मिथ को टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए देखो तो वह प्रत्येक मैच में दिन में पांच या छह बार ऐसा करते हैं। वह हमेशा बल्लेबाजी क्रीज पर खड़ा होते हैं, शैडो (छद्म) बल्लेबाजी करता है, हमें पता है कि स्टीव स्मिथ इस तरह की चीजें करते हैं, इसमें से एक क्रीज पर निशान बनाना भी है। कप्तान ने कहा, निश्चित तौर पर वह (स्मिथ) गार्ड के निशान को नहीं बदल रहे थे और कल्पना कीजिए कि अगर वह ऐसा कर रहे होते तो फिर भारतीय खिलाड़ी उस समय इसे तूल जरूर देते। पेन ने कहा कि उन्होंने शेफील्ड शील्ड मैचों के दौरान स्मिथ को ऐसा करते हुए देखा है। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने स्टीव के साथ खेले मुकाबलों के दौरान उसको टेस्ट मैचों और शील्ड मैचों के दौरान कई बार ऐसा करते हुए देखा है, जब वह मैदान पर होते हैं तो वह बल्लेबाज के स्थान पर जाना पसंद करते हैं और कल्पना करते हैं कि वह कैसे खेलेंगे। स्मिथ के इस हरकत पर भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने अपने इंस्टाग्राम पर इसका वीडियो पोस्ट किया और लिखा, सभी कुछ आजमा लिया, स्मिथ ने पंत का गार्ड भी मिटा दिया, पर कुछ काम न आया। खाया पिया कुछ नहीं, ग्लास तोड़ा बारह आना। मुझे अपनी भारतीय टीम के प्रयास पर गर्व है। सीना चौड़ा हो गया यार।

फरीदाबाद, गुरुग्राम कैम्प में ट्रेनिंग के साइंटिफिक तरीके अपनाएगा खो खो महासंघ

नई दिल्ली।

खो खो का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कैम्प 16 जनवरी से फरीदाबाद और गुरुग्राम में आयोजित किया जाएगा और इस 28 दिवसीय कैम्प में भारतीय खो खो महासंघ (केकेएफआई) खिलाड़ियों के साइंटिफिक प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करेगा। केकेएफआई के अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता सुधांशु मित्तल ने बताया कि 125 खिलाड़ियों को लेकर आयोजित किया जाने वाला यह कैम्प इसलिए खास होगा क्योंकि देश भर से आए खिलाड़ियों को वैज्ञानिक पद्धति से ट्रेनिंग दी जाएगी और इसके लिए बकायदे स्पोटर्स साइंस की मदद ली जाएगी। मित्तल ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम एक पुरातन खेल को नया रूप देने का प्रयास कर रहे हैं। इसके तहत सबसे पहले हमने खिलाड़ियों पर फोकस किया है क्योंकि यह खेल उन्हीं से है। अगला कैम्प हमारे और खिलाड़ियों के लिए खास है क्योंकि इसमें खिलाड़ियों को वैज्ञानिक पद्धति से ट्रेन किया जाएगा। मित्तल ने कहा कि देश भर से जुटने वाले खिलाड़ियों और अधिकारियों को दो भागों में विभाजित कर इन्हें इसके लिए चयनित-दो सेन्टर मानव रचना यूनिवर्सिटी-फरीदाबा और गुरुतेग बहादुर यूनिवर्सिटी-गुरुग्राम में प्रशिक्षित किया जाएगा। मित्तल के मुताबिक यह पहली बार हो रहा है कि ट्रेनिंग के लिए स्पोर्ट्स साइंस का सहारा लिया जा रहा है, जिसमें खिलाड़ियों की क्षमताओं का आकलन कर उन्हें उसके अनुसार ट्रेनिंग दी जायेगी। फरीदाबाद में 60 और गुरुग्राम में इतने ही खिलाड़ी शिरकत करेंगे। मित्तल ने कहा, हम खिलाड़ियों से जुड़े हर पक्ष पर काम करना चाहते हैं। हम खिलाड़ी की कद-काठी, उसके सामाजिक परिदृश्य, खान-पान इत्यादि को ध्यान में रखते हुए उसे ट्रेनिंग देंगे। इसमें हर खिलाड़ी की शारीरिक संरचना और खेल में उसकी भूमिका को देखते हुए उसके शरीर के विशेष हिस्सों को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा, जिससे कि वह अपना श्रेष्ठ दे सके। मित्तल ने कहा कि उनका लक्ष्य खो खो को एक दिन ओलंपिक में जगह दिलाना है और वह उसी दिशा में काम करना चाहते हैं। इसके लिए हालांकि कम से कम 70 देशों में खो खो का खेल जारी रहना चाहिए। मित्तल ने कहा, हम पहले इस खेल को एशियाई खेलों में जगह दिलाना चाहते हैं। हमारा अल्टीमेट लक्ष्य वैसे इसे ओलंपिक तक लेकर जाना है लेकिन इसके लिए अभी काफी काम किया जाना है। इसे 70 देशों तक ले जाना है। हम अपने सफर का आधा हिस्सा पार कर चुके हैं और आधे के लिए तैयार हैं। हम भारत के इस पुरातन खेल को नई पहचान दिलाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि इस खेल से जुड़े खिलाड़ी पैसा और शोहरत कमाएं क्योंकि डायनामिक्स में यह खेल किसी अन्य खेल से कम रोचक नहीं है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : गुजरात की लगातार दूसरी जीत, उत्तराखंड को हराया

वडोदरा। गुजरात ने मंगलवार को मोती बाग स्टेडियम में खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 टूर्नामेंट के एलीट ग्रुप-सी मैच के अपने दूसरे मैच में उत्तराखंड को 73 रनों से हर दिया। गुजरात की दो मैचों में यह लगातार दूसरी जीत है और टीम अब आठ अंकों के साथ तालिका में टॉप पर है। उत्तराखंड की यह लगातार दूसरी हार है। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन का स्कोर बनाया। टीम के लिए पांचाल ने 46 और सी गांधी ने नाबाद 38 रन बनाए। उनके अलावा रिपल पटेल ने 20 गेंदों पर तीन चौके और इतने ही छक्कों की मदद से नाबाद 41 रन बनाए। उत्तराखंड की ओर से कप्तान अब्दुल्लाह और डी ने दो-दो विकेट लिए। 173 रनों के लक्ष्य के जवाब में उत्तराखंड की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 98 रन ही बना सकी। टीम के लिए जय गोकुल बिस्टा ने 26, कर्ण वीर कौशल ने 25 और डी नेगी ने 16 रन बनाए। गुजरात की ओर से पीयूष चावला ने तीन, ए. नागवासवाला ने दो विकेट लिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चन्द्रमा पर आधारित पंचाग के अनुसार जब सूर्य कर्क रेखा से मकर रेखा पर आ जाता है तब उसे सूर्य उत्तरायण कहा जाता है पौष माह के मध्य मे और आधुनिक पंचाग के अनुसार 14 जनवरी के दिन पड़ता है सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि मे आने और जाने को सक्रांति कहते है पूरे भारतवर्ष मे यह त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता रहा है पंजाब मे लोहडी,उत्तर भारत मे मकर-सक्रांति, दक्षिण मे पोंगल,पूर्वीय पर्वतीय भारत मे बिहू के रूप मे मनाया जाता है लोग इस दिन को तिल और खिचडी सक्रांति भी कहते है क्योकि इस दिन के ये प्रशिद्ध पकवान है यह त्यौहार हिन्दू लोगो के लिए बहुत ही शुभ दिन है और इस दिन लोग सुबहे सूर्य निकलने से पूर्व ही ही स्नान करते हुए ही सूर्य देवता की पूजा करते है और संपूर्ण भारत मे हिन्दू लोग भारी संख्या मे पवित्र नदिया मे स्नान करते है और गरीबो के लिए दान और भोजन का प्रबंध करते है

प्यार, एकता व आस्था का त्योहार

मकर सक्रांति

ग्रहों के अनुसार दान कर पाएं सफलता

कहते हैं सौ हाथों से कमाएं और हजार हाथों से खर्च करें तो जिंदगी में आपको कभी किसी भी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मकर सक्रांति पर आपकी जन्मकुंडली में जो ग्रह कमजोर हो उस ग्रह से संबंधित दान देकर ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर कर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं इससे आपको करियर में सफलता मिलने लगेगी।

सूर्य - माणिक्य, गेहूं, सवत्सा, गाय, लाल वस्त्र, लाल फूल, गुड़, स्वर्ण, तांबा, लाल चंदन, केशर, भूमि, भवन आदि।

चंद्र - टोकरी (बांस की), चावल, कर्पूर, सफेद कपड़ा, मोती, चांदी, दूध, दही, मिश्री, शकर, घी आदि।

मंगल - गेहूं, मसूर, लाल, कपड़ा, गुड़ तांबा, लाल फूल, लाल चंदन, केशर, लाल बैल, भूमि, मूंगा आदि।

बुध - हरा वस्त्र, स्वर्ण, ही मूंग, पन्ना, कस्तूरी आदि।

गुरु - पीला धान्य, पीला कपड़ा, पुखराज, स्वर्ण, चांदी, शकर, शहद, नमक, केसर, वृद्धों की सेवा, हल्दी, घोड़ा।

शुक्र - सफेद घोड़ा, गाय-बछड़े सहित हीरा, इत्र, सेंट, चावल, घी, कर्पूर, सफेद वस्त्र, चंदन, शकर, मिश्री।

शनि - उड़द, तिल, तेल, काली गाय, काला वस्त्र, कंबल, जूता, स्वर्ण, नीलम, चांदी आदि।

राहु - गेहूं, उड़द, गोमेद, काला घोड़ा, तलवार, तेल, लोहा, रत्न, अभ्रक, नीला कपड़ा।

केतु - लहसुनिया, तिल, कंबल, कस्तूरी, चाकू, लोहा, छतरी, सीसा, रागा, बकरा, काला कपड़ा आदि।

मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख त्यौहारों में से एक है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष जनवरी महीने में समस्त भारत में मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है, जब उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। परम्परा से यह विश्वास किया जाता है कि इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। यह वैदिक उत्सव है। इस दिन खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। गुड़-तिल, रेवड़ी, गजक का प्रसाद बाँटा जाता है। इस त्यौहार का सम्बन्ध प्रकृति, ऋतु परिवर्तन और कृषि से है। ये तीनों चीजें ही जीवन का आधार हैं। प्रकृति के कारक के तौर पर इस पर्व में सूर्य देव को पूजा जाता है, जिन्हें शास्त्रों में भौतिक एवं अभौतिक तत्वों की आत्मा कहा गया है। इन्हीं की स्थिति के अनुसार ऋतु परिवर्तन होता है और धरती अनाज उत्पन्न करती है, जिससे जीव समुदाय का भरण-पोषण होता है।

संक्रांति का अर्थ

संक्रान्ति का अर्थ है सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में जाना, अत- वह राशि जिसमें सूर्य प्रवेश करता है, संक्रान्ति की संज्ञा से विख्यात है। राशियाँ बारह हैं, यथा मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृच्छिक, धनु, मकर, कुम्भ, मीन। मलमास पड़ जाने पर भी वर्ष में केवल 12 राशियाँ होती हैं। प्रत्येक संक्रान्ति पवित्र दिन के रूप में ग्राह्य है। भारत विविधताओं में एकता वाला देश है। यहाँ हर जाति व संस्कृति व धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं। हमारे यहाँ कई त्योहार मनाए जाते हैं, जो ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा सामाजिक संबंधों को नई मजबूती प्रदान करने के लिए मनाए जाते हैं। मकर संक्रांति भी इन्हीं त्योहारों में से एक है। यह त्योहार इस संपूर्ण सृष्टि में ऊर्जा के प्रमुख स्त्रोत सूर्य की आराधना के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन सूर्य सिंह राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायन होने के साथ ही मौसम में परिवर्तन होता है और त्योहार के रूप में खुशियाँ मनाई जाती हैं। कहा जाता है कि इस दिन के बाद हर दिन तिल के बराबर बड़ा होता जाता है।

हर प्रांत हर रंग

भारत के अलग-अलग प्रांतों में इस त्योहार को अलग-

अलग ढंग से मनाया जाता है लेकिन इन सभी के पीछे मूल ध्येय एकता, समानता व आस्था दर्शाना होता है। मकर सक्रांति को पोंगल, लोहड़ी, पतंग उत्सव, तिल सक्रांति आदि नामों से भी जाना जाता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने का, तिल-गुड़ खाने का तथा सूर्य को देने का अपना एक महत्व है। बचपन की यादें ताजा करने व दोस्तों के साथ फिर से हँसी-ठहाके करने का त्योहार मकर सक्रांति है। गिल्ली-डंडे के खेल के रूप में मौज-मस्ती के एक बहाने के रूप में म.प्र. में यह त्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार पर परिवार के बच्चे से लेकर बूढ़े सभी एक साथ गिल्ली-डंडे के इस खेल का आनंद उठाते हैं।

लाल, हरी, नीली, पीली आदि रंग-बिरंगी पतंगें जब आसमान में लहराती हैं तो ऐसा लगता है मानो इन पतंगों के साथ हमारे सपने भी हकीकत की ऊँचाईयों को छू रहे हैं और हम सभी सारे गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे की पतंगों के पेंच लड़ा रहे हैं। गुजरात में मकर सक्रांति के दिन पतंगबाजी के आयोजन में इसी प्रकार का सांप्रदायिक सद्भाव देखने को मिलता है। यहाँ अलसुबह ही सभी लोग अपने घरों की छतों पर जमा होकर पतंगबाजी करके खु?शी व उल्लास के साथ इस त्योहार का भरपूर लुत्फ उठाते हैं। कहते हैं जिंदगी बहुत छोटी है और यदि हम इस छोटी सी जिंदगी में भी अपनों से बैर पालकर बैठ जाएँ तो जिंदगी का क्या मजा आएगा? इस दिन सभी पुराने गिले-शिकवे भूलाकर तिल-गुड़ से मुँह मीठा कर दोस्ती का एक नया रिश्ता कायम किया जाता है। समूचे महाराष्ट्र में इस त्योहार को रिश्तों की एक नई शुरुआत के रूप में मनाया जाता है। कुछ इसी तरह पंजाब में लोहड़ी के रूप में तो तमिलनाडु में पोंगल के रूप में इस त्योहार को मनाते हुए प्रकृति देवता का नमन किया जाता है।

क्या करें

हमारे धार्मिक आख्यानों के अनुसार मकर संक्राति के दिन हमें ब्रह्म मूहर्त में किसी पवित्र नदी में स्नान कर सूर्य देवता को देना चाहिए। उसके बाद यथोचित दान-धर्म कर अपने ईश्वर का नमन करना चाहिए तथा अपनों के साथ खुशियाँ बाँटकर इस त्योहार को मनाना चाहिए। हर त्योहार हमारे लिए कुछ न कुछ संदेश लेकर आता है। मकर सक्रांति का त्योहार भी हमें भेदभाव भूलाकर एकजुट होने का संदेश देता है। तो क्यों न इस दिन हम सभी एक-दूसरे के साथ प्रेम, आत्मीयता व सम्मान का एक नया रिश्ता कायम करें।

ब्रह्म मुहूर्त में करें स्नान

मकर संक्रांति के अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में ही स्नान करना अच्छा माना जाता है। कुछ लोग गंगा जी जाकर स्नान करते हैं तो जो नहीं जा पाते वे घरों में ही पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान कर मकर संक्रांति का पुण्य प्राप्त कर लेते हैं। इस दिन खिचड़ी का दान किया जाएगा। पूर्व उत्तरप्रदेश में इसे खिचड़ी संक्रांति भी कहते हैं। कहा जाता है कि जाड़े के दिनों में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तो माघ का महीना प्रारंभ हो जाता है। इस महीने उड़द की खिचड़ी एवं रेवड़ी-मूंगफली खाने से शरीर में ऊर्जा बढ़ती है। इस प्रकार यह पर्व प्रकृति परिवर्तन के साथ शरीर का संतुलन बनाए रखने की ओर भी इशारा करता है। उत्तराखंड के लोग इसे घुघुतिया त्योहार भी कहते हैं जिसमें आटे को गुड़ या शहद में तैयार कर शकरपारे बनाए जाते हैं तथा सुबह स्नान करने के बाद काले कौआ काले पूस की रोटी माघ में खाले, के नारे लगाते हुए छोटे-छोटे बच्चे घुघुत को कौआ को बुलाकर खिलाएंगे। भगवान श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं समस्त प्रकृतियां, ऋतु एवं महीने सब मुझसे ही पैदा होते हैं। इसलिए भारतीय उपासना पद्धति में प्रत्येक ऋतु, मास, पक्ष, सप्ताह एवं दिन-रात परामात्मा के स्वरूप ही माने गए हैं। इसीलिए हमारी उपासना सनातन उपासना कहलाती है। हर दिन किसी न किसी देवता की उपासना से जुड़ा होने से नित उत्सव का आनंद लोगों को मिलता ही रहता है। साथ ही किसी विशेष पर्व पर होने वाले धार्मिक उत्सव में तो सारा जनमानस एक-साथ आनंद में झूमने लगता है। इसी कड़ी में है लोहड़ी और मकर संक्रांति का पर्व जो हमें धार्मिक अनुष्ठान करते हुए प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश देता है। इसकी धूम गांव, नगर, शहर हर जगह दिखाई देती है। ज्योतिषियों के अनुसार मकर संक्रांति के दिन तिल का उपयोग 6 प्रकार से करना चाहिए। तिल का तेल जल में डालकर स्नान, तिल के तेल की शरीर पर मालिश करके स्नान, तिल का उपयोग हवन सामग्री में, तिलयुक्त जल का सेवन, तिल व गुडयुक्त मिठाई व भोजन का सेवन, तिल का दान करने से शारीरिक, धार्मिक व अन्य लाभ तथा पुण्य प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त पूजन में चंदन से अष्ठदल का कमल बनाकर उसमें सूर्यदेव का चित्र स्थापित करें। शाम को तिलयुक्त भोजन से अपना व्रत खोलें।

वर्ष 2021 में मकर संक्रांति किस वाहन पर आ रही है, जानिए पुण्यकाल का समय

ज्योतिष शास्त्र में गोचर का बहुत महत्व होता है। नवग्रहों का गोचर जातक के फलित में अहम् भूमिका रखता है। वहीं ग्रह-गोचर के आधार पर कई मुहूर्त व ज्योतिषीय गणनाओं का निर्धारण भी होता है जैसे त्रिबल शुद्धि, साढ़ेसाती व ढैय्या, मकर संक्रांति आदि। ज्योतिष शास्त्रानुसार नवग्रहों में सूर्य को राजा माना गया है। सूर्य का गोचर कई ज्योतिषीय गणनाओं व मुहूर्त का निर्धारण करता है। सूर्य के गोचर को संक्रांति कहा जाता है। संक्रांति प्रतिमाह आती है क्योंकि सूर्य का गोचर प्रतिमाह होता है। सूर्य के धनु व मीन राशि में गोचर से खरमास (मलमास) का प्रारंभ होता है। इसी प्रकार जब सूर्य मकर राशि में गोचर करते हैं तब इसे 'मकर-संक्रांति' कहा जाता है। मकर-संक्रांति हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व है। सामान्यतः यह पर्व 14 जनवरी को मनाया जाता है क्योंकि अधिकतर इसी दिन सूर्य का गोचर धनु राशि से मकर राशि में होता है। नववर्ष में मकर-संक्रांति का पर्व 14 जनवरी 2021 को मनाया जाएगा। इस दिन नवग्रहों के राजा सूर्य अपनी राशि परिवर्तन कर प्रातः 8 बजकर 05 मिनट पर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही देशभर में मकर-संक्रांति के पर्व का शुभारंभ हो जाएगा।

मकर-संक्रांति का पुण्यकाल- वर्ष 2021 में मकर-संक्रांति का पुण्यकाल प्रात 8:05 से रात्रि 10:46 तक रहेगा।

संक्रांति का वाहन- वर्ष 2021 में संक्रांति का वाहन सिंह (व्याघ) एवं उपवाहन गज (हाथी) रहेगा। इस वर्ष संक्रांति का आगमन श्वेत वस्त्र व पाटली कंचुकी धारण किए बालावस्था में कस्तूरी लेपन कर गदा आयुध (शस्त्र) लिए स्वर्णपात्र में अन्न भक्षण करते हुए आग्नेय दिशा को दृष्टिगत किए पूर्व दिशा की ओर गमन करते हो रहा है।

दक्षिण भारत का छठ है पोंगल

दक्षिण में मकर संक्रांति को पोंगल के रूप में मनाया जाता है। सौर पंचांग के अनुसार यह पर्व महीने की पहली तारीख को आता है। पोंगल विशेष रूप से किसानों का पर्व है। पोंगल सामान्यतः तीन दिन तक मनाया जाता है। पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे तीन पशु धन की। पोंगल के दिन स्नान करके खुले आँगन में मिट्टी के नए बर्तन में खीर बनाई जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्य भगवान को नैवेद्य चढ़ाया जाता है। तब खीर को प्रसाद रूप में सब लोग ग्रहण करते हैं। इस दिन बेटी और दामाद का घर पर स्वागत किया जाता है। तीसरे दिन किसान अपने पशुओं को खूब अच्छी तरह सजाकर जुलूस निकालते हैं। कन्याओं के लिए यह हर्षोल्लास का पर्व है।

मकर संक्रांति को देश में कई नामों से जाना जाता है. जहां उत्तर भारत में इसे खिचड़ी के नाम से जानते हैं वहीं दक्षिण भारत में इसे पोंगल कहा जाता है. पोंगल तमिल हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार है. यह त्यौहार हमारे दक्षिण भारत की संस्कृति को दुनिया के सामने रखता है. पोंगल का महत्व दक्षिण भारतीयों के लिए उसी तरह है जैसा उत्तर भारतीयों के लिए छठ पर्व.

आखिर कैसे पड़ा नाम पोंगल

इस त्यौहार का नाम पोंगल इसलिए है क्योंकि इस दिन सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है वह पोगल कहलता है. तमिल भाषा में पोंगल का एक अन्य अर्थ निकलता है अच्छी तरह उबालना. दोनों ही रूपों में देखा जाए तो बात निकल कर यह आती है कि अच्छी तरह उबाल कर सूर्य देवता को प्रसाद भोग लगाना सबसे जरूरी है.

पोंगल पर्व मनाने का कारण

पोंगल मकर संक्रांति का ही एक रूप है. जिस तरह लोहड़ी और मकर संक्रांति फसलों से जुड़े हैं यह पर्व भी फसलों से ही संबंधित है. जनवरी महीने तक तमिलनाडु की मुख्य फसल गन्ना व धान पककर तैयार हो जाती है. जब किसान अपने खेतों में लहलहाती फसलों को देखता है तो वह भगवान के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए पोंगल का त्यौहार मनाता है. पोंगल के त्यौहार में मुख्य रूप से बैल की पूजा की जाती है क्योंकि बैल के माध्यम से किसान अपनी जमीन जोतता है और साथ ही भगवान को नई फसल का भोग लगाया जाता है.

छठ जैसी पवित्रता

जिस तरह बिहार समेत उत्तर भारत के लोग छठ मनाते हैं, वैसी ही पवित्रता के साथ दक्षिण भारत में पोंगल मनाया जाता है. इसमें दीपावली की रस्म भी पूरी की जाती है.

तीन दिन का पर्व पोंगल

पोंगल सामान्यतः तीन दिन तक मनाया जाता है. पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे दिन पशु धन की.

पोंगल पर्व का आरंभ 'बोगी पोंगल' से होता है, तो समापन 'कानुम पोंगल' से होता है. सूर्य देव की आराधना पर आधारित इस पर्व के लिए मायके से चावल, गुड़, घी आदि से आता है. मकर संक्रांति के एक दिन पहले बोगी पोंगल को घर की साफ-सफाई कर कचरे को घर के बाहर जलाया जाता है. इसके बाद आंगन में बहुत बड़ी रंगोली बनाई जाती है. 14 जनवरी को मिट्टी के नए बर्तन को मिट्टी के चूल्हे पर चढ़ाया जाता है जिसमें संयुक्त परिवार की महिलाएं अपने-अपने मायके से आए चावल, गुड़ और घी डालती हैं. जब मीठा चावल तैयार हो जाता है, तो छत पर पुरुष सदस्य सूर्य देव की पूजा करते हैं. इसी क्रम में दूध को उबाला जाता है. आमतौर पर उबलते हुए दूध का बर्तन से गिरना अशुभ माना जाता है, लेकिन पोंगल में इसे शुभ माना जाता है. दक्षिण के अलावा किसी भी दिशा में दूध उबलकर गिरता है तो उसे प्रणाम किया जाता है. मान्यता है कि ऐसा होने से पूरे वर्ष उनके घर सुख-समृद्धि बनी रहेगी. उस दिन पोंगल (खिचड़ी) के अलावा दही बड़ा अवश्य बनता है, जिसे महिलाएं नई हल्दी का लेप लगाकर स्नान करने के बाद ग्रहण करती हैं. तीसरे दिन कानुम पोंगल में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं. विवाहित महिलाएं लड़कियों को हल्दी का तिलक लगाकर आशीर्वाद देती हैं. इसी दिन चावल को अलग-अलग रंग में रंगकर घर के बाहर रखा जाता है, ताकि चिड़ियां उसे खाएं. तीनों दिन गन्ना जरूर खाया जाता है. यह त्यौहार भारतीय संस्कृति की पहचान है. माना कि समय के साथ इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव आया है, लेकिन नियम-पवित्रता से कोई समझौता नहीं किया जाता है.

रिश्तों की मधुरता का त्योहार लोहड़ी

लोहड़ी उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध त्योहार है। यह मकर संक्रान्ति के एक दिन पहले मनाया जाता है। मकर संक्रान्ति की पूर्वसंध्या पर इस त्यौहार का उल्लास रहता है। रात्रि में खुले स्थान में परिवार और आस-पड़ोस के लोग मिलकर आग के किनारे घेरा बना कर बैठते हैं। इस समय रेवड़ी, मूंगफली, लावा आदि खाए जाते हैं। लोहड़ी पौष के अंतिम दिन, सूर्यास्त के बाद (माघ संक्रांति से पहली रात) यह पर्व मनाया जाता है। यह प्राय- 12 या 13 जनवरी को पड़ता है। यह मुख्यत- पंजाब का पर्व है।

लोहड़ी से संबद्ध परंपराओं एवं रीति-रिवाजों से ज्ञात होता है कि प्रागैतिहासिक गाथाएँ भी इससे जुड़ गई हैं। दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि-दहन की याद में ही यह अग्नि जलाई जाती है। इस अवसर पर विवाहिता पुत्रियों को माँ के घर से त्योहार (वस्त्र, मिठाई, रेवड़ी, फलादि) भेजा जाता है। यज्ञ के समय अपने जामाता शिव का भाग न निकालने का दक्ष प्रजापति का प्रायश्चित ही इसमें दिखाई पड़ता है।

लोहड़ी से 20-25 दिन पहले ही बालक एवं बालिकाएँ लोहड़ी के लोकगीत गाकर लकड़ी और उपले इकट्ठे करते हैं। संचित सामग्री से चौराहे या मुहल्ले के किसी खुले स्थान पर आग जलाई जाती है। मुहल्ले या गाँव भर के लोग अग्नि के चारों ओर आसन जमा लेते हैं। घर और व्यवसाय के कामकाज से निपटकर प्रत्येक परिवार अग्नि की परिक्रमा करता है। रेवड़ी (और कहीं कहीं मक्की के भुने दाने) अग्नि की भेंट किए जाते हैं तथा ये ही चीजें प्रसाद के रूप में सभी उपस्थित लोगों को बाँटी जाती हैं। घर लौटते समय लोहड़ी में से दो चार दहकते कोयले, प्रसाद के रूप में, घर पर लाने की प्रथा भी है। जिन परिवारों में लड़के का विवाह होता है अथवा जिन्हें पुत्रप्राप्ति होती है, उनसे पैसे लेकर मुहल्ले या गाँव भर में बच्चे ही बराबर बराबर रेवड़ी बाँटते हैं। लोहड़ी के दिन या उससे दो चार दिन पूर्व बालक बालिकाएँ बाजारों में दुकानदारों तथा पथिकों से मोहमाया या महामाई (लोहड़ी का ही दूसरा नाम) के पैसे माँगते हैं, इनसे लकड़ी एवं रेवड़ी खरीदकर सामूहिक लोहड़ी में प्रयुक्त करते हैं।

शहरों के शरारती लड़के दूसरे मुहल्लों में जाकर लोहड़ी से जलती लकड़ी उठाकर अपने मुहल्ले की लोहड़ी में डाल देते हैं। यह लोहड़ी व्याहना कहलाता है। कई बार छीना झपटी में सिर फुटौवल भी हो जाती है। मँहगाई के कारण पर्याप्त लकड़ी और उपलों के अभाव में दुकानों के बाहर पड़ी लकड़ी की चीजें उठाकर जला देने की शरारतें भी चल पड़ी हैं।

लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं।

लोहड़ी त्यौहार के उत्पत्ति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं।

लोहड़ी त्यौहार के उत्पत्ति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। कई लोगो का मानना हैं की यह त्यौहार जाड़े की ऋतू के आने का द्योतक के रूप में मनाया जाता हैं।

आधुनिक युग में अब यह लोहड़ी का त्यौहार सिर्फ पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में ही नहीं अपितु बंगाल तथा उड़िया लोगो द्वारा भी मनाया जा रहा हैं!

दुल्ला भट्टी की कहानी

लोहड़ी को दुल्ला भट्टी की एक कहानी से भी जोड़ा जाता हैं। लोहड़ी की सभी गानों को दुल्ला भट्टी से ही जुड़ा तथा यह भी कह सकते हैं की लोहड़ी के गानों का केंद्र बिंदु दुल्ला भट्टी को ही बनाया जाता हैं। दुल्ला भट्टी मुग़ल शासक अकबर के समय में पंजाब में रहता था। उसे पंजाब के नायक की उपाधि से सम्मानित किया गया था! उस समय संदल बार के जगह पर लड़कियों को गुलामी के लिए बल पूर्वक अमीर लोगों को बेच जाता था जिसे दुल्ला भट्टी ने एक योजना के तहत लड़कियों को न की मुक्त ही करवाया बल्कि उनकी शादी की हिन्दू लडको से करवाई और उनके शादी के सभी व्यवस्था भी करवाई। दुल्ला भट्टी एक विद्रोही था और जिसकी वंशवली भट्टी राजपूत थे। उसके पूर्वज पिंडी भट्टियों के शासक थे जो की संदल बार में था अब संदल बार पकिस्तान में स्थित हैं। वह सभी पंजाबियों का नायक था।

लोहड़ी सिख परिवारों के लिए बहुत महत्वपूर्ण त्योहार है। लोहड़ी मकर संक्राति के एक दिन पहले मनाया जाता है। हर साल 13 जनवरी को पंजाबी परिवारों में विशेष उत्साह होता है। यह उत्साह तब और बढ़ जाता है यदि घर में बहू या फिर बच्चे के जन्म की पहली लोहड़ी हो।

त्योहारों को पूर्णता देता है पोंगल

पोंगल अर्थात् खिचड़ी का त्योहार सूर्य के उत्तरायण होने के पुण्यकाल में मनाया जाता है। खुले आँगन में हल्दी की जड़ की गाँठ को पीले धागे में पिरोकर पीतल या मिट्टी की हाँड़ी की गर्दन में बाँधकर उसमें चावल एवं मूँग की दाल की खिचड़ी पकाते हैं। उसमें उफान आने पर दूध व घी डाला जाता है। उफान आते ही घर के सभी सदस्य गाजे-बाजे के साथ पोंगल - पोंगल की आवाज़ लगाकर खुशी प्रकट करते हैं। वह उफान सुख और समृद्धि का परिचायक है। लोग एक-दूसरे के सुख व समृद्धि की कामना करते हैं। गन्ना के साथ सूर्यदेव की पूजा की जाती है। इस दिन आग पर हाँड़ी चढ़ाने का विशेष मुहुर्त होता है, जिसे देखकर हाँड़ी को आग पर चढ़ाया जाता है। उबलता हुआ दूध जब पात्र में से गिरने लगता है, तो उसे समृद्धशाली कृषि ऋतु का प्रतीक माना जाता है। हल्दी के पौधे की छोटी-छोटी टहनियों को बर्तनों के चारों ओर बाँधा जाता है तथा उसके साथ-साथ सूर्य व चन्द्रमा की आकृतियाँ बनाई जाती हैं। सभी अपने मित्रों व सगे-सम्बन्धियों से मिलते हैं तथा मिठाइयों की भेंट देते हैं। पोंगल के समय गन्ने की फ़सल तैयार हो चुकी होती है तथा गन्ना सभी हाट-बाज़ारों में खूब बिकता है। जगह-जगह बच्चे गन्ना चूसते नजर आते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

चीन के सोने के खदान में हुआ जोरदार विस्फोट, 22 श्रमिकों को बचाने में जुटी टीम

बीजिंग। चीन के पूर्वी हिस्से में दो दिन पहले आंशिक रूप से निर्मित सोने की खदान में हुए विस्फोट के चलते फंसे 22 श्रमिकों को निकालने के लिए मंगलवार को बचाव दल प्रयासरत रहा। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए बचाव दल के करीब 300 कर्मचारी बाधाओं को दूर करने में लगे हुए हैं। हालांकि, श्रमिकों के बारे में कोई सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं है।
पूर्वी प्रांत के शानडोंग स्थित निर्माणाधीन खदान में हुए धमाके के कारणों की घोषणा नहीं की गई है। खदान के प्रबंधकों ने सोमवार शाम तक भी स्थानीय प्रशासन को धमाके के संबंध में जानकारी नहीं दी थी। चीन के खनन उद्योग में सबसे अधिक ध्यान कोयले पर दिया जाता है और खदानों में विस्फोट, बाढ़ और गैस लीक होने जैसे कारणों से हर साल करीब 5,000 लोग जान गंवा देते हैं।

कौन है भारतवंशी विजया गड्डे जिसने ट्रंप का ट्विटर बंद कराने का लिया था फैसला?

न्यूयार्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्विटर अकाउंट स्थायी रूप से निलंबित करने के अभूतपूर्व फैसले के पीछे इस माइक्रोब्लॉगिंग साइट की शीर्ष अधिवक्ता भारतवंशी विजया गड्डे की भूमिका प्रमुख थी। यह फैसला अमेरिकी संसद भवन में निवर्तमान राष्ट्रपति के समर्थकों के हमले की घटना के बाद लिया गया था। हैदराबाद में जन्मीं 45 वर्षीय गड्डे ट्विटर के कानून, लोक नीति एवं विश्वास तथा सुरक्षा की प्रमुख हैं। शुक्रवार को गड्डे ने ट्वीट किया कि ट्रंप के अकाउंट को ''और हिंसा के जोखिम को देखते हुए ट्विटर से स्थायी रूप से निलंबित किया जाता है''।
जब ट्रंप का अकाउंट निलंबित किया गया उस वक्त उनके 8.87 करोड़ फॉलोवर थे तथा वह खुद 51 लोगों को फॉलो करते थे। गड्डे की ट्विटर प्रोफाइल के मुताबिक 2011 में इस कंपनी से जुड़ने से पहले वह अमेरिकी कंपनी जूनिपर नेटवर्क्स में वरिष्ठ विधिक निदेशक थीं। वह न्यूयार्क यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल के न्यासी बोर्ड में भी रह चुकी हैं। उनका बचपन टेक्सास और न्यूजर्सी में बीता है।

इंडोनेशिया में भारी बारिश के बाद आया भूस्खलन, 26 लोग लापता; 13 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिम जावा प्रांत के एक गांव में भूस्खलन की दो घटनाओं के बाद 26 लोग लापता हो गए। बचावकर्मी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पश्चिम जावा के सुमेदांग जिले के एक गांव सिहानजुआंग में रविवार को भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय आपदा नियंत्रण एजेंसी के प्रवक्ता रादित्य जाटी ने कहा कि बारिश के मौसम के कारण घटना स्थल के आसपास खोज और बचाव अभियान बाधित हुआ है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में भारी बारिश और उच्च ज्वार-भाटा के कारण इंडोनेशिया के अधिकांश हिस्सों में भूस्खलन की दर्जनों घटनाएं हुई हैं और भयंकर बाढ़ आई है।

कोरोना से अब जानवर भी नहीं सुरक्षित! गोरिल्ला भी हुए कोरोना पॉजिटिव

सैन डिएगो (अमेरिका)। सैन डिएगो जू सफारी पार्क में कई गोरिल्ले कोरोना वायरस से संक्रमित मिले हैं जिसे अमेरिका में और संभवत- पूरी दुनिया में गोरिल्ला में इस संक्रमण का अब तक का पहला ज्ञात मामला माना जा रहा है। पार्क की कार्यकारी निदेशक लीजा पीटरसन ने सोमवार को बताया कि पार्क में एक साथ रहने वाले आठ गोरिल्लों में संक्रमण का पता चला है और अन्य कई खांसी से पीड़ित हैं। ऐसा लगता है कि पार्क की वन्यजीव देखभाल टीम के एक सदस्य से संक्रमण पशुओं में आया। सदस्य में संक्रमण का पता चला था लेकिन उनमें लक्षण नहीं थे और उन्होंने गोरिल्लों के आसपास से गुजरते हुए पूरे समय मास्क पहन रखा था। यह पार्क कैलिफोर्निया में कोरोना वायरस के मामलों की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन के तहत छह दिसंबर से जनता के लिए बंद है। पीटरसन के मुताबिक पशु चिकित्सक गोरिल्लों पर करीब से नजर रख रहे हैं और वे पार्क में अपने पर्यावासों में ही रहेंगे। इस समय उन्हें विटामिन, तरल पदार्थ और खाद्य पदार्थ दिये जा रहे हैं लेकिन कोई विशेष उपचार नहीं किया जा रहा है। पीटरसन ने बताया, ''गोरिल्लों को केवल छाती में जकड़न और खांसी की शिकायत है।

शांति वार्ता के बीच अफगान में बढ़ी हिंसा, एयर स्ट्राइक कर 9 पाकिस्तानी आतंकी समेत कई तालिबानी किए गए ढेर

काबुल। पाकिस्तान के आतंकियों और तालिबानियों पर अफगान सेना ने बड़ी कार्रवाई की है। अफगानिस्तान द्वारा किए गए एयर स्ट्राइक में पाकिस्तान के 9 आतंकी और 5 स्थानीय तालिबानी आतंकी मार गिराए गए। वहीं, इस एयर स्ट्राइक में छह अन्य तालिबानी घायल भी हो गए। अफगान सेना द्वारा ये बड़ी कार्रवाई निम्रूज प्रांत के खाशरोद जिले में की गई। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने ट्वीट कर बताया कि रविवार को निम्रूज प्रांत के खाशरोद जिले में-स्न द्वारा एक तालिबान के ठिकाने को निशाना बनाया गया।

जो बाइडेन के शपथ ग्रहण से पहले एफबीआई ने देशभर में हथियारबंद प्रदर्शनों को लेकर किया आगाह

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

एफबीआई ने कैपिटल बिल्डिंग (अमेरिकी संसद भवन) में पिछले सप्ताह हुई हिंसा के बाद अब आगाह किया है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यभार संभालने के कुछ दिन पहले उसे वाशिंगटन और सभी 50 राज्यों की राजधानियों के संसद भवनों पर हथियारबंद प्रदर्शन आयोजित करने की सूचना मिली है। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों और चरम दक्षिणपंथी ऑनलाइन नेटवर्कों ने कई तारीखों पर हथियारबंद प्रदर्शन का आह्वान किया है। इनमें 17 जनवरी को देश के कई शहरों में हथियारबंद प्रदर्शन और बाइडन के उद्घाटन दिवस के दिन वाशिंगटन डीसी में मार्च करने की योजना शामिल है।

'सीएनएन' और अन्य मीडिया समूहों को मिली संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) की बुलेटिन के अनुसार,''16 जनवरी से कम से कम 20 जनवरी तक 50 राज्यों के संसद भवनों पर हथियारबंद प्रदर्शन की साजिश है और यूएस कैपिटल पर 17 जनवरी से 20 जनवरी तक...'' बाइडन 20 जनवरी को अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति और भारतीय-अफ्रीकी कमला हैरिस उप राष्ट्रपति पद की पर शपथ ग्रहण करेंगी। बाइडन ने सोमवार को पत्रकारों से कहा था कि वह यूएस कैपिटल के बाहर शपथ लेने से नहीं डरते। बाइडन और हैरिस दोनों के अब भी इमारत के बाहर ही शपथ ग्रहण करने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने हार स्वीकार नहीं की है और वह लगातार तीन नवम्बर को हुए चुनाव में धोखाधड़ी के बेबुनियाद दावे करते रहे हैं। उनके इन दावों के बीच ही, कैपिटल बिल्डिंग (अमेरिकी संसद भवन) में ट्रंप के समर्थकों ने धावा बोला था और हिंसा की थी, जिसमें कैपिटल पुलिस के एक अधिकारी तथा चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। एफबीआई ने पिछले सप्ताह हुए दंगों से पहले कम से कम एक बुलेटिन जारी किया था। अन्य अधिकारी ने बताया कि 29 दिसम्बर को सांसदों को निशाना बनाकर किए जाने वाले हथियारबंद प्रदर्शन को लेकर आगाह किया गया था।

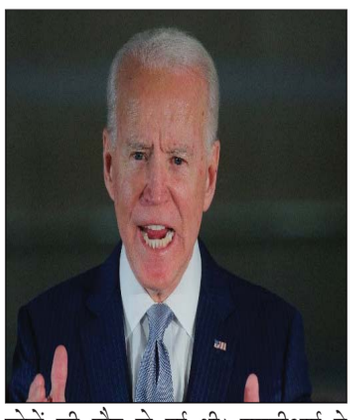

जो बाइडेन के शपथ ग्रहण के समय हो सकती है हिंसा, ट्रंप ने आपातकालीन घोषणा जारी की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के 20 जनवरी को शपथ ग्रहण समारोह से पहले और उस दौरान हिंसा होने की आशंका को लेकर स्थानीय एवं संघीय अधिकारियों की बढ़ती चिंताओं के बीच देश की राजधानी वाशिंगटन डीसी के लिए एक आपातकालीन घोषणा जारी की। सोमवार को जारी एक बयान में, व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति के इस कदम से गृह मंत्रालय (डीएचएस) और संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (फेमा) को राहत प्रयासों का समन्वय करने की अनुमति मिल गई है, ताकि स्थानीय लोगों के समक्ष आपातकाल के कारण आने वाली कठिनाइयों को कम किया जा सके। वाशिंगटन डीसी में आपातकालीन घोषणा सोमवार से प्रभावी हो गई, जो 24 जनवरी तक लागू रहेगी।

ट्रम्प ने यह घोषणा ऐसे समय में जारी की है, जब पिछले सप्ताह ट्रम्प समर्थक भीड़ ने कैपिटल बिल्डिंग (अमेरिकी संसद भवन) पर हमला कर दिया था। इस हमले से राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के पदों के लिए में क्रमश- जो बाइडन एवं कमला हैरिस के निर्वाचन को सत्यापित करने की प्रक्रिया बाधित हुई। इस दौरान हुई हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गई थी। व्हाइट हाउस के अनुसार, आपातकालीन घोषणा आवश्यक आपातकालीन उपायों के लिए उचित सहायता भी प्रदान करती है। इसके तहत लोगों की जान बचाने और संपत्ति और सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा के लिए उपाए किए जाएंगे। इसके तहत विशेष रूप से, फेमा को आपातकाल के प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए अधिकृत किया गया है।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने फिर दिया बड़ा बयान, पढ़ें भारत और चीन पर क्या कहा?

काठमांडू। (एजेंसी)।

नेपाल के विदेश मंत्री के नयी दिल्ली के दौरे से पहले नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने कहा है कि भारत या चीन के साथ संबंधों में उनका देश संप्रभुता की बराबरी से समझौता नहीं करेगा। विदेश मंत्री के दौरे में सीमा गतिरोध पर वार्ता केंद्रित रहने की उम्मीद है। 'डब्ल्यूआईओएन' समाचार चैनल ने 68 वर्षीय ओली के हवाले से बताया, ''लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी के इलाके नेपाल का ही हिस्सा हैं।'' ओली ने कहा, ''हम चीन या भारत के क्षेत्र पर दावे करने की स्थिति में नहीं हैं। लेकिन हम अपने मित्रों के साथ अपने क्षेत्रों पर दावा जरूर करेंगे।''

पिछले वर्ष ओली सरकार ने एक नया राजनीतिक मानचित्र जारी कर तीन भारतीय क्षेत्रों को नेपाल का हिस्सा बताया था जिसके बाद सीमा गतिरोध जारी हो गया था। नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली के 14 जनवरी को नयी दिल्ली के दौरे से दो दिनों पहले उनका यह बयान आया है। द्विपक्षीय संबंधों में तनाव आने के बाद वह सबसे वरिष्ठ नेता हैं जो भारत के दौरे पर जा रहे हैं। ओली ने रविवार को कहा था कि नयी दिल्ली में ग्यावली की वार्ता सीमा मुद्दे पर केंद्रित होगी। ओली ने कहा, ''मेरा मानना है कि 2021 वह वर्ष होगा जब हम घोषणा करेंगे कि नेपाल और भारत के बीच कोई समस्या नहीं है।'' चैनल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उन्होंने भारत और चीन के बीच जारी विवाद का समाधान कराने की भी पेशकश की।

ओली ने कहा, ''अगर हम उनकी सहायता करने में मददगार साबित हो सकते हैं तो हम तैयार हैं।'' घरेलू राजनीतिक संकट पर जिस कारण उन्हें प्रतिनिधि सभा को भंग करने की अनुशंसा करनी पड़ी थी, ओली ने पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' को सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी में विभाजन के लिए जिम्मेदार ठहराया। ओली ने यह भी दावा किया कि भारत के कुछ तत्व उन्हें पद से हटाने के लिए षड्यंत्र रच रहे हैं लेकिन नेपाल की अंदरूनी राजनीति में चीन का हाथ होने से उन्होंने इंकार किया। उन्होंने चीन और भारत का जिक्र करते हुए कहा, ''हम अपनी स्वतंत्रता और अपने अंदरूनी मामलों में निर्णय की स्वतंत्रताको पसंद करते हैं और हम बाहरी हस्तक्षेप नहीं चाहते हैं, उत्तर या दक्षिण से।

67 सालों में पहली बार अमेरिका में दी जाएगी महिला कैदी को मौत की सजा

मिशन (अमेरिका)। (एजेंसी)।

अमेरिकी सरकार नेमिसूरी में रहने वाली एक गर्भवती महिला की हत्या करने के बाद उसके गर्भ से बच्ची को निकालकर अपने कब्जे में ले लेने की दोषी कैनसास की निवासी एक महिला को मौत की सजा देने की तैयारी मंगलवार को पूरी कर ली। अमेरिका में लगभग सात दशक के बाद किसी महिला कैदी को मृत्युदंड दिया जाना है। लीजा मोंटगोमेरी को इंडियाना के तेर्रे हाउते में एक केन्द्रीय कारागार में मृत्युदंड दिया जाना है।

मोंटगोमेरी को नव-निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के शपथ लेने से आठ दिन पहले मौत की सजा दी जानी है, जो मौत की सजा के खिलाफ रहे हैं। मामला 16 साल पुराना है। 16 दिसंबर 2004 कोमोंटगोमेरी एक कुत्ते को गोद लेने के लिये कैनसास के मेलवर्न में स्थित अपने घर से लगभग 170 किलोमीटर दूर उत्तर-पश्चिमी मिसूर कस्बे के स्किडमोर में 23 वर्षीय कुत्ता विक्रेता बॉबी जो स्टिनेट के घर गई और रस्सी से गला दबाकर स्टिनेट की हत्या कर दी। इसके बाद उसने महिला का पेट चीरकर उससे बच्ची को निकाला और फरार हो गई। अगले दिन उसे गिरफ्तार कर नवजात बच्ची को छुड़ा लिया गया। उस बच्ची का नाम विक्टोरिया जो है, जो अब 16 साल की हो चुकी है।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा, चुनौतियों के बावजूद समय और हवा का रुख चीन के पक्ष में

बीजिंग।। (एजेंसी)।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के लिए अगले 30 साल के लिहाज से अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए कहा कि दुनिया में अभूतपूर्व उथल-पुथल के इस दौर में समय और हवा का रुख चीन के पक्ष में है। शी 2012 में सत्ता में आने के बाद से माओ त्से तुंग के बाद चीन के सबसे शक्तिशाली नेता हैं। माओ ने 1921 में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की थी जो 1949 से सत्ता में है। 67 वर्षीय चीनी नेता ने कम्युनिस्ट पार्टी के कैडरों को सोमवार को संबोधित करते हुए कहा कि उनका मानना है कि कोविड-19 महामारी, आपूर्ति श्रृंखला में अवरोधों, पश्चिमी देशों के साथ बिगड़ते रिश्तों और मंद होती अर्थव्यवस्था समेत अनेक चुनौतियों के बावजूद ''समय और हवा का रुख चीन के पक्ष में है।''

कोरोना वायरस संक्रमण का सबसे पहला मामला मध्य चीन के वुहान शहर में ही एक वर्ष पहले आया था। इस वायरस से अब तक दुनियाभर में 19,44,750 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और वैश्विक अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा गयी है। हांगकांग से प्रकाशित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' अखबार ने शी के हवाले से लिखा, ''दुनियाभर में उथल-पुथल मची है जो पिछली सदी में अभूतपूर्व है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन समय और हवा का रुख हमारी तरफ है। यहीं हम अपनी दृढ़ धारणा और लचीलापन और साथ ही अपना संकल्प एवं आत्मविश्वास दर्शाते हैं।'' शी ने पूरी तरह आधुनिक समाजवादी देश के निर्माण के लिए अच्छी शुरुआत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अगले तीन दशक नये विकास का चरण होंगे जिसके दौरान चीन के लोग सीपीसी के नेतृत्व में धनवान होने से लेकर मजबूत होने तक आमूल-चूल बदलाव से गुजरेंगे। शी के बयानों पर विश्लेषकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है। पश्चिमी विश्लेषकों ने जहां इसकी तुलना फ्रांसीसी शासक नेपोलियन बोनापार्ट की एक घोषणा से की है, वहीं चीनी पर्यवेक्षकों ने कहा कि यह भाषण चीन की राजनीतिक व्यवस्था और विकास में शी के विश्वास को झलकाता है।

इमरान खान ने संरक्षित Houbara पक्षियों के शिकार के लिए दुबई के शाही परिवार को दी अनुमति

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की सरकार ने दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल-मख्तूम और शाही परिवार के छह अन्य सदस्यों को 2020-21 के शिकार के मौसम के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संरक्षित पक्षी हुबारा बस्टर्ड का शिकार करने की विशेष अनुमति दी है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, इससे पहले अरब के शाही परिवार को ऐसी अनुमति देने का विरोध कर चुके प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस बार व्यक्तिगत रूप से अनुमति पत्र जारी किए हैं। सूत्रों के हवाले से दी गई खबर के अनुसार, विदेश मंत्रालय के प्रोटोकॉल विभाग के उपप्रमुख ने प्रधानमंत्री की मंजूरी के बाद ये दस्तावेज जारी किए। अनुमति पत्र (परमिट) इस्लामाबाद स्थित संयुक्त अरब अमीरात के दूतावास को भेज दिए गए हैं।

दुबई के शासक राशि अल-मख्तूम के अलावा जिन लोगों को परमिट जारी किए गए हैं उनमें वलीअहद (युवराज), उपशासक, वित्त और उद्योग मंत्री, पुलिस के उपप्रमुख, सेना के एक अधिकारी, शाही परिवार के दो सदस्य और एक उद्योगपति शामिल हैं। विपक्ष में रहते हुए खान ने अरब के धनी परिवारों द्वारा संरक्षित पक्षियों के शिकार का हमेशा विरोध किया था। ये परिवार हर साल संरक्षित या लुप्तप्राय पक्षियों का शिकार करने पाकिस्तान आते हैं। सऊदी के शाहजादा सुल्तान बिन अब्दुल अजीज सउद ने कहा था कि 2014 में उन्होंने 21 दिनों में अभयारण्यों और संरक्षित क्षेत्रों में 1,977 पक्षियों का शिकार किया जबकि उनके साथ आए लोगों ने 123 पक्षियों का शिकार किया। उस दौरान कुल 2,100 पक्षियों का शिकार किया गया। इसकी काफी आलोचना हुई थी, लेकिन शिकार अभी भी जारी है।

मलेशिया में कोरोना वायरस आपातकाल पर लगी मुहर, संकटग्रस्त प्रधानमंत्री को मिल सकती है राहत

कुआलालंपुर। (एजेंसी)।

मलेशिया के राजा ने मंगलवार को कोरोना वायरस के लिए आपातकाल पर मुहर लगा दी है, जिससे कम से कम अगस्त महीने तक संसद निलंबित रहेगी और इससे संकटग्रस्त प्रधानमंत्री मुहयिद्दीन यासीन को पद से हटाने के लिए आम चुनाव करवाने के सभी प्रयासों पर रोक लगा जाएगी और उन्हें राहत मिल जाएगी। मुहयिद्दीन ने टेलीविजन पर भाषण में नागरिकों को आश्वासन दिया कि यह आपातकाल ''सैन्य तख्तापलट नहीं है और इसमें कर्फ्यू नहीं लगाया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि एक अगस्त तक जारी रहने वाले आपातकाल के दौरान भी कमान असैन्य सरकार के हाथों में होगी। आपातकाल अगस्त या उससे पहले तक जारी रहेगा इस बारे में फैसला हालात को देखकर लिया जाएगा।

आपातकाल की घोषणा एकाएक ही की गई है। एक दिन पहले ही मुहयिद्दीन ने घोषणा की थी कि मलेशिया का सबसे बड़ा शहर कुआलालंपुर, प्रशासनिक राजधानी पुत्रजया और पांच अत्यंत जोखिम वाले शहरों में लगभग लॉकडाउन जैसी स्थिति होगी जो बुधवार से शुरू होकर दो हफ्तों तक जारी रहेगी। यह सब घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब सत्तारूढ़ गठबंधन में सबसे बड़े दल यूनाइटेड मलय नेशनल ऑर्गेनाइजेशन ने मुहयिद्दीन से समर्थन वापस लेने की धमकी दी है ताकि समय से पहले आम चुनाव कराए जा सकें। मुहयिद्दीन ने कहा है कि महामारी से राहत मिलने पर, जब चुनाव कराना सुरक्षित होगा तब वह आम चुनाव कराएंगे। इससे पहले मलेशिया में 1969 में आपातकाल की घोषणा हुई थी जब नस्ली दंगों में सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। मलेशिया नरेश द्वारा आपातकाल की घोषणा को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है। इससे पहले नरेश सुल्तान अब्दुल्ला अहमद शाह ने अक्टूबर में मुहयिद्दीन के आपातकाल घोषित करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात पहुंची वैक्सीन

नई दुल्हन की तरह किया गया स्वागत

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद, लंबे इंतजार के बाद आखिरकार आज कोरोना की वैक्सीन गुजरात पहुंच गई। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर राज्य के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने वैक्सीन का स्वागत किया और कुम कुम व अक्षत से पूजा की और राज्य के विभिन्न जगहों पर पहुंचाने के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंगलवार को अहमदाबाद में तीन मंडल के लिए कोविड शिल्ड वैक्सीन के 23 बॉक्स पहुंचे। प्रति बॉक्स में 12000 वैक्सीन है। गुजरात को 276000 वैक्सीन का पहली खेप उपलब्ध हो गई है। जिसमें गांधीनगर मंडल में बनाए गए स्टेट वैक्सीन स्टोर में 8 बॉक्स यानी 96000, अहमदाबाद सिविल अस्पताल के रिजनल क्षेतीय स्टोर में 10 बॉक्स यानी 120000 लाख और भावनगर मंडल में 5 बॉक्स यानी 60000 वैक्सीन पहुंचाई जाएगी। ग्रीन कोरिडोर के जरिए अभेद सुरक्षा के बीच वैक्सीन का स्टाक संबंधित मंडल पर रवाना किया गया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि कोरोना महामारी का हमने दृढता के साथ मुकाबला किया है, परंतु

गुजरात समेत समूचा देश जिसकी बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहा था वह ऐतिहासिक दिन आज आ गया। 13 जनवरी से पूणे से सड़क के रास्ते सूरत में 93500, वडोदरा में 94500 और राजकोट में 77000 कोविड शिल्ड वैक्सीन का स्टोक पहुंचाया जाएगा। पहले चरण के टीकाकरण कार्यक्रम में राज्य के स्वास्थ्यकर्मी और नागरिकों को सरलता से वैक्सीन उपलब्ध हो इसके लिए राज्य में 20000 वैक्सीन केन्द्र कार्यरत किए गए हैं। गुजरात के 4.33 लाख सरकारी और निजी स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, पेरामेडिकल स्टाफ, सफाईकर्मियों को पहले चरण में वैक्सीन दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 16 जनवरी से राज्यभर में टीकाकरण प्रक्रिया का पहला चरण शुरू होगा। उस वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के 287 टीकाकरण केन्द्र पर स्वास्थ्यकर्मियों, डॉक्टर, नर्सिंग और पेरामेडिकल स्टाफ से वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए वैक्सीनेशन कार्यक्रम पर चर्चा करेंगे। अहमदाबाद और राजकोट सिविल अस्पताल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डॉक्टरों के से बातचीत कर उन्हें टीकाकरण के प्रभावी अमलीकरण के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग के लगातार मार्गदर्शन और उनकी निगरानी समेत दिशा-निर्देशों का अमलीकरण राज्य में कोरोना की स्थिति को काबू में रखने के लिए आशीर्वाद साबित हुई है।

अशरफ नागोरी गिरोह के खिलाफ गुजसीटॉक के तहत केस दर्ज, 3 आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

सूरत पुलिस ने एक और कुख्यात गिरोह के खिलाफ गुजसीटॉक के तहत केस दर्ज कर अपराधियों को सख्त चेतावनी दे दी है। बता दें कि गुजरात सरकार ने आतंकी गतिविधियां एवं संगठित अपराध पर काबू पाने के लिए एक साल पहले गुजरात संगठित अपराध एवं आतंकवाद नियंत्रण कानून (गुजसीटॉक) बनाया था। इस कानून के तहत सूरत में कुख्यात अशरफ नागोरी और उसके गिरोह के खिलाफ लालगेट पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया है। लालगेट पुलिस ने अशरफ नागोरी के तीन गुर्गों को भी गिरफ्तार किया है। सूरत के लालगेट, चौक बाजार क्षेत्र में फायरिंग, फिरौती, गैरकानूनी हथियार समेत अंडरवर्ल्ड के साथ कथित कनैक्शन रखने वाले कुख्यात अशरफ नागोरी के खिलाफ गुजसीटॉक के तहत

लालगेट पुलिस ने केस दर्ज किया है। गुजरात के पूर्व गृह मंत्री हरेन पंड्या हत्याकेस में पकड़ा जा चुका अशरफ नागोरी 2013 में विहिप के तत्कालीन अध्यक्ष प्रवीण तोगडिया की हत्या के लिए मध्य प्रदेश से लाए गए 11 पिस्तौल और 62 कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया गया था। वर्ष 2002 में सूरत में भाजपा नगर पार्षद और वकील हसमुख लालवाला पर फायरिंग में अशरफ नागोरी को गिरफ्तार किया गया था। वर्ष 2003 में अहमदाबाद पुलिस ने पोटा के तहत और वर्ष 2013 और 2015 में सूरत पुलिस ने पासा के तहत उसे गिरफ्तार किया था। जबकि नवंबर 2020 में अशरफ नागोरी को तड़ीपार किया गया था। अब सूरत की लालगेट पुलिस ने अशरफ गिरोह के 12 शख्सों के खिलाफ गुजसीटॉक के तहत केस दर्ज कर 12 शख्सों को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि इससे पहले सूरत क्राइम ब्रांच आसिफ टामेटा गिरोह और लालू जालीम गिरोह के खिलाफ गुजसीटॉक के तहत केस दर्ज कर चुकी है।

युवाओं से है मुझे काफी उम्मीदः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि गुजरात ने कौशल विकास कार्यक्रम, अप्रेंटिसशिप योजना, युवा स्वावलंबन योजना और शोध योजना के जरिए राज्य के युवाओं का सशक्तिकरण किया है। पिछले 4 वर्ष में लगभग डेढ़ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की है, लगभग 5400 भर्ती मेलों के मार्फत निजी क्षेत्र में 12 लाख से अधिक नौकरियां उपलब्ध करवाई हैं। हजारों युवाओं को व्यवसाय करने के लिए कर्ज प्रदान कर उन्हें 'जॉब सीकर' के बजाय 'जॉब गिवर' बनाया है, और तो और गुजरात में बेरोजगारी की दर देश में सबसे कम ३ फीसदी है। मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी के विभिन्न भवनों का मंगलवार को ई-लोकार्पण और ई-शिलान्यास करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि गत दो दशक में गुजरात में शिक्षा क्षेत्र का कायाकल्प हुआ है। गुजरात पूरे देश में एजुकेशनल हब के तौर पर स्थापित हो गया है। गुजरात की स्थापना के बाद 40 वर्षों तक राज्य में केवल 11 यूनिवर्सिटियां थीं जो आज बढ़कर 77 हो गई हैं। मुख्यमंत्री ने 25 हजार से अधिक युवा छात्रों द्वारा कार्यक्रम में रजिस्ट्रेशन कराने का जिक्र करते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि भले ही डेढ़ सौ वर्ष बीत गए हों, लेकिन आज भी स्वामी विवेकानंद युवाओं के रोल मॉडल हैं। रूपाणी ने युवाओं को निरंतर नया विचार करने और नया करते रहने की सीख देते हुए कहा कि यदि कभी क्षणिक विफलता मिले तो स्वामी विवेकानंद जी के संदेश का अनुसरण करें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने पाश्चात्य देशों मे जाकर पूरी दुनिया को भारतीय जीवन दर्शन से अवगत कराया था। विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम की प्रेरणा दी थी। गुजरातियों के लिए गर्व की बात यह है कि स्वामी जी को पश्चिम में जाने की प्रेरणा गुजरात की भूमि में मिली थी। उन्होंने स्व. अटल जी की कविता का स्मरण करते हुए कहा कि, जब-जब दुनिया में अज्ञानता का अंधकार फैला, जब-जब मानवजाति पर बड़ी विपत्ति आई, तब-तब इस भारत देश ने दुनिया को राह दिखलाई है। हमने पाश्चात्य संस्कृति को अपनाते हुए 'नमस्ते' करना कम कर दिया था, लेकिन आज कोविड के दौर में हमने दुनियाभर के लोगों को नमस्ते करते हुए देखा है।

'निरंतर नया सोचते रहें, नया करते रहें, स्वामी विवेकानंद के संदेश का अनुसरण करें'

सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी के विभिन्न भवनों का किया ई-लोकार्पण और शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' की राह पर अग्रसर हमारे देश ने दुनिया की सभी धारणाओं को झुठलाते हुए एक नहीं बल्कि दो-दो स्वदेशी वैक्सीन उपलब्ध कराकर अपने सामर्थ्य का परिचय दिया है। भारत में बनी वैक्सीन के लिए आज डेढ़ सौ से अधिक देशों ने मांग की है। यह ताकत देश के युवा वैज्ञानिकों की है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान बहुत बड़ा अवसर है। भारत को महासत्ता बनाने की दिशा में अपनी शक्ति और सामर्थ्य का उपयोग कर हमारे युवा बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि, मुझे मेरे राज्य के युवाओं की शक्ति पर पूरा भरोसा है और उस भरोसे के आधार पर मैं आज कहता हूं कि आने वाले वर्षों में भारत एक महासत्ता बन जाएगा और गुजरात उसका केंद्र बिंदु होगा। रूपाणी ने युवाओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि भविष्य के विकसित भारत में वे स्वयं को कहां खड़ा देखना चाहते हैं, उसके लिए उन्हें आज से ही उस दिशा में संकल्पबद्ध होकर काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी कैम्पस में अध्ययन कर रहे विदेशी छात्रों के उपयोग के लिए 4 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित 'इंटरनेशनल ट्रांजिट हाउस' तथा सरस्वती वुमन हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं को पढ़ने की सुविधा के लिए स्वाध्याय परिवार के प्रणेता पांडुरंग शास्त्री दादा की चेयर द्वारा निर्मित लाइब्रेरी का ई-लोकार्पण किया। इसके अलावा, 6 करोड़ रूपए के खर्च से तैयार होने वाली अद्यतन लाइब्रेरी और ३ करोड़ रूपए की लागत से तैयार होने वाले अत्याधुनिक स्पोर्ट्स हॉस्टल तथा सवा करोड़ रूपए के खर्च से तैयार होने वाले ओपन एयर थियेटर का भी उन्होंने ई-शिलान्यास किया। रूपाणी ने कोरोना महामारी के दौरान सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की टीम की ओर से किए गए सेवा कार्यों को बयान करने वाली पुस्तक का विमोचन भी किया। एनएसएस को श्रेष्ठ कार्य के लिए उन्होंने बधाई दी। मुख्यमंत्री ने एनएसएस के छात्रों की कार्य प्रणाली का जिक्र करते हुए कहा कि ये युवा गांवों में जाकर कैम्प करते हैं। ग्रामीण जीवन को बहुत बारीकी से समझते हैं। इस तरह की गतिविधियों से चरित्र निर्माण होता है। युवाओं के लिए यह बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि, हमें भारत में गांवों की आत्मा और शहरों की आधुनिकता का समन्वय साधना है और उस संदर्भ में मुझे युवाओं से बहुत उम्मीद है।

इस अवसर पर सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी के कुलपति नितिन कुमार पेथाणी ने यूनिवर्सिटी में सुविधा युक्त शिक्षा के लिए निर्धारित विभिन्न प्रकल्पों के बारे में जानकारी दी। सम कुलपति विजय देसाणी ने स्वागत भाषण दिया। समारोह में बड़ी संख्या में युवा छात्र इंटरनेट के जरिए जुड़े थे।

सार-समाचार

यूपी से 28 लाख का गांजा ला रहा शख्स वलसाड में गिरफ्तार, दूसरा फरार

वलसाड एलसीबी ने टेम्पो ट्रैवेलर में लाए जा रहे 28 लाख रूपए से अधिक कीमत के 283 किलो गांजा के साथ एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। जबकि दूसरा पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। टेम्पो ट्रैवेलर से पकड़ा गया गांजा उत्तर प्रदेश से लाया जा रहा था। जानकारी के मुताबिक वलसाड एलसीबी औरंगा नदी पर वाहनों की जांच कर रही थी। उस वक्त वहां से गुजर रहे फोर्स कंपनी टेम्पो ट्रैवेलर को पुलिस ने रूकने का इशारा किया। लेकिन पुलिस को देख ड्राइवर ने टेम्पो की स्पीड तेज कर दी। एलसीबी ने टेम्पो का पीछा किया और धमडासी एपीएमसी मार्केट के निकट उसे पकड़ लिया। टेम्पो की जांच में रु 28 लाख से अधिक कीमत का 283 किलो गांजा बरामद हुआ। टेम्पो में एक खास चोर खाना बनाया गया था, जिसमें से इतनी बड़ी माला में गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने टेम्पो चालक शकील बदरूद्दीन को गिरफ्तार कर लिया। जबकि नदीम नामक दूसरा शख्स मौके से फरार हो गया। पकड़ा गया शकील बदरूद्दीन अहमदाबाद के शाहीबाग क्षेत्र का निवासी है और फरार शख्स उसके मामा का लड़का है। शकील बदरूद्दीन और नदीम उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से गांजा लेकर आ रहे थे। पूछताछ में शकील ने बताया कि उसे एक ट्रीप के लिए रु 15000 मिलते थे।

गुजरात पुलिस चार दिन में 3.63 करोड़ का जुर्माना वसूला, 2944 गिरफ्तार

गुजरात पुलिस ने चार दिन में कोविड नियमों का उल्लंघन करने पर 36510 लोगों से 3.63 करोड़ रूपए से भी अधिक जुर्माना वसूल किया। कर्फ्यू और एमवी एक्ट के प्रावधान के उल्लंघन करने पर 3117 वाहनों को जब्त किया और अधिसूचना का उल्लंघन करने 2944 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। कोविड 19 संक्रमण की स्थिति को ध्यान में रखते हुए गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने राज्य के सभी पुलिस अधिकारियों को सरकार की एसओपी का कड़ाई से अमल करने की दिशा में कड़ी कार्यवाही करने का आदेश दिया था। इसके अंतर्गत गुजरात पुलिस ने 8 जनवरी से 11 जनवरी 2021 के दौरान कोविड नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। इन चार दिनों के भीतर अधिसूचना का उल्लंघन करने पर 1763 मामले दर्ज कर सार्वजनिक जगहों पर बगैर मास्क घूमने और सार्वजनिक स्थलों पर थूंकने के आरोप में 36510 लोगों से रु 36340000 का जुर्माना वसूल किया ह। साथ ही कर्फ्यू और एमवी एक्ट 207 के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर 3117 वाहनों को जब्त कर लिया। अधिसूचना का उल्लंघन करने के आरोप में पुलिस ने 2944 लोगों को गिरफ्तार किया है।

गुजरात भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, प्रवक्ता और मीडिया कन्वीनरों का ऐलान

गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने आज दो उपाध्यक्ष समेत मुख्य प्रवक्ता व मीडिया कन्वीनरों के नाम का ऐलान किया है। पिछले सप्ताह सीआर पाटील ने गुजरात प्रदेश भाजपा के नए संगठन का ऐलान किया था। जिसमें 7 प्रदेश प्रमुख, 8 महामंत्री और 13 मंत्रियों की नियुक्ति की

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

टाडा कोर्ट ने 31 साल बाद यासीन मलिक समेत नौ अन्य आरोपियों के खिलाफ तय किये आरोप

जम्मू। विशेष टाडा अदालत ने 31 साल पहले तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण के मामले में जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) प्रमुख मोहम्मद यासीन मलिक और नौ अन्य के खिलाफ आरोप तय किये हैं। मलिक इस समय दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने अप्रैल 2019 में आतंकवाद के वित्तपोषण के एक मामले में मलिक को गिरफ्तार किया था। इससे एक महीने पहले ही केंद्र सरकार ने मलिक के संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया था। विशेष टाडा अदालत ने जनवरी 1990 में श्रीनगर के बाहरी इलाके में भारतीय वायु सेना के चार जवानों की हत्या से जुड़े एक अन्य मामले में पिछले साल मार्च में जेकेएलएफ प्रमुख और छह अन्य के खिलाफ आरोप तय किये थे। विशेष टाडा न्यायाधीश सुनीत गुप्ता ने सोमवार को मलिक और नौ अन्य लोगों- अली मोहम्मद मीर, मोहम्मद जमान मीर, इकबाल अहमद गंदरू, जावेद अहमद मीर, मोहम्मद रफीक पहलू, मंजूर अहमद सोफी, वजाहत बशीर, मेहराजुद्दीन शेख और शौकत अहमद बख्शी के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। ये दस लोग उन दो दर्जन आरोपियों में शामिल हैं जिनके नाम टाडा अदालत में दाखिल सीबीआई के आरोप-पत्र में हैं। इनमें जेकेएलएफ के शीर्ष कमांडर मोहम्मद रफीक डार और मुश्ताक अहमद लोन की मौत हो चुकी है जबकि 12 अन्य फरार हैं।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने केंदू श्रमिकों के लिए 92.37 करोड़ की वित्तीय सहायता की घोषणा की

भुवनेश्वर ।ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने केंदू के पत्ते तोड़ने वालों और इससे जुड़े अन्य श्रमिकों के कल्याण के लिए 92.37 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को केंदू पत्ते से जुड़े कार्यों में लगे हुए लोगों के कल्याण की समीक्षा करते हुए यह घोषणा की, जिनमें ज्यादातर आदिवासी लोग हैं। उन्होंने कहा कि कुल राशि में से, 59.78 करोड़ रुपये बोनस के रूप में वितरित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से राज्य सरकार ने केंदू पत्ते के व्यापार में लगे लोगों को बोनस देने का प्रावधान किया है। पटनायक ने यह भी घोषणा की कि केंदू श्रमिक की मृत्यु या स्थायी विकलांगता के मामले में सहायता राशि एक लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये की जाएगी। केंदू पत्ते का इस्तेमाल मुख्य रूप से बीड़ी बनाने में होता है।

सदाकत आश्रम बना अखाड़ा, बिहार कांग्रेस प्रभारी के सामने चलीं कुर्सियां

नयी दिल्ली। बिहार में कांग्रेस पार्टी का दफ्तर सियासी अखाड़े में तब्दील हो गया। सदाकत आश्रम में कांग्रेस नेता आपस में ही भिड़ गए। दरअसल, कांग्रेस के बिहार प्रभारी भक्त चरण दास की उपस्थिति में किसान प्रकोष्ठ की बैठक चल रही थी। इसी दौरान नेताओं के बीच तू-तू, मैं-मैं हुई। इस दौरान ही दोनों तरफ से कुर्सियां तक फेंक कर हमला किया गया। गौरतलब है कि बिहार प्रभारी भक्त चरण दास जब कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस कार्यालय में बैठक कर रहे थे, इसी दौरान भारी बवाल देखने को मिला। खबरों के अनुसार पूर्व कांग्रेस प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल के समर्थकों की तरफ से हाथापाई की गई।

मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में जहरीली शराब पीने से 12 लोगों की मौत, सात बीमार

मुरैना। मध्यप्रदेश में मुरैना जिले के दो गांवों में सोमवार रात को कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से 12 लोगों की मौत हो गयी और सात लोग गंभीर रूप से बीमार हो गये। पुलिस महानिरीक्षकराजेश हिंगनकर ने बताया कि संदिग्ध अवैध शराब पीने से 12 लोग मारे गये और सात अन्य गंभीर रुप से बीमार हो गये। उन्होंने कहा कि भादंवि की धारा 304 और आबकारी अधिनियम के संबद्ध धाराओं में मामला दर्ज किया गया है तथा जांच और पूछताछ के लिये कुछ व्यक्तियों को हिरासत में भी लिया गया है।

घटना को गंभीरता से लेते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक ट्वीट में मुरैना के जिला आबकारी अधिकारी को निलंबित करने की घोषणा की। चौहान ने ट्वीट किया, ''मुरैना की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखदायी है। मामले की जांच जारी है, लेकिन प्रथम दष्टया सुपरविजन में लापरवाही बरतने पर जिला आबकारी अधिकारी को निलंबित किया गया है।'' इस बीच, अवैध शराब के सेवन से 12 लोगों की मौत होने और सात अन्य के बीमार होने पर एक पुलिस अधिकारी को भी निलंबित किया गया है। प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि घटना की जांच के लिये एक दल वहां भेजा जा रहा है। मिश्रा ने ट्वीट में कहा, '' मुरैना में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों की घटना बेहद दुखद और पीड़ादायक है। इस मामले में संबंधित थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। जांच के लिये अलग से एक दल भी भेजा जा रहा है। घटना के लिए जिम्मेदार कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा।'' इस घटना पर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ ने भी मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार को पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया, ''शराब माफियाओं का कहर जारी। उज्जैन में 16 जान लेने के बाद अब मुरैना में शराब माफियाओं ने 10 के करीब लोगों की जान ले ली।

समिति के चारों सदस्य 'काले कानूनों के पक्षधर', किसानों को न्याय नहीं मिल सकता : कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस ने कृषि कानूनों को लेकर चल रहे गतिरोध को खत्म करने के मकसद से मंगलवार को उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित की गई समिति के चारों सदस्यों को 'काले कृषि कानूनों का पक्षधर' करार दिया और दावा किया कि इन लोगों की मौजूदगी वाली समिति से किसानों को न्याय नहीं मिल सकता। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि इस मामले का एकमात्र समाधान तीनों कानूनों का रद्द करना है।

उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने तीन नये कृषि कानूनों को लेकर सरकार और दिल्ली की सीमाओं पर धरना दे रहे रहे किसान संगठनों के बीच व्याप्त गतिरोध खत्म करने के इरादे से मंगलवार को इन कानूनों के अमल पर अगले आदेश तक रोक लगाने के साथ ही किसानों की समस्याओं पर विचार के लिये चार सदस्यीय समिति गठित कर दी। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने सभी पक्षों को सुनने के बाद समिति के लिये भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष भूपिन्दर सिंह मान, शेतकारी संगठन के अध्यक्ष अनिल घन्वत, दक्षिण एशिया के अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति एवं अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ प्रमोद जोशी और कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी के नामों की घोषणा की। सुरजेवाला ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि समिति के इन चारों सदस्यों ने इन कानूनों का अलग अलग मौकों पर खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने सवाल किया, ''जब समिति के चारों सदस्य पहले से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेत-खलिहान को बेचने की उनकी साजिश के साथ खड़े हैं तो फिर ऐसी समिति किसानों के साथ कैसे न्याय करेगी?'' सुरजेवाला ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को जब सरकार को फटकार लगाई तो उम्मीद पैदा हुई कि किसानों के साथ न्याय होगा, लेकिन इस समिति को देखकर ऐसी कोई उम्मीद नहीं जगती। उन्होंने यह भी कहा, ''हमें नहीं मालूम कि उच्चतम न्यायालय को इन लोगों के बारे में पहले बताया गया था या नहीं? वैसे, किसान इन कानूनों को लेकर उच्चतम न्यायालय नहीं गए थे। इनमें से एक सदस्य भूपिन्दर सिंह इस कानूनों के संदर्भ में उच्चतम न्यायालय गए थे। फिर मामला दायर करने वाला ही समिति में कैसे हो सकता है? इन चारों व्यक्तियों की पृष्ठभूमि की जांच क्यों नहीं की गई? कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''ये चारों लोग काले कानूनों के पक्षधर हैं। इनकी मौजूदगी वाली समिति से किसानों को न्याय नहीं मिल सकता। इस पर अब पूरे देश को मंथन करने की जरूरत है।

जजपा विधायक की धमकी, कहा- कृषि कानून वापस ले अन्यथा हरियाणा सरकार को कीमत चुकानी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्र सरकार को तीन कृषि कानूनों को वापस लेना चाहिए अन्यथा हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा-जजपा गठबंधन को इसकी ''भारी कीमत'' चुकानी पड़ सकती है। यह बात मंगलवार को जजपा विधायकों के एक धड़े ने कही। जजपा प्रमुख और उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से यहां मुलाकात करने के कुछ घंटे पहले विधायकों ने यह दावा किया। चौटाला और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर राष्ट्रीय राजधानी में शाह से मुलाकात करने वाले हैं और उनके साथ भाजपा के राज्य अध्यक्ष ओ. पी. धनखड़ भी रहेंगे।

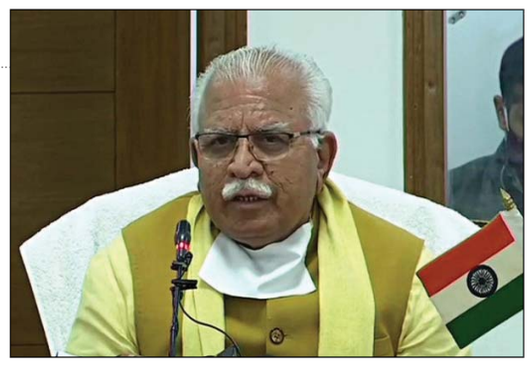

भाजपा ने 2019 में हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों में 90 सीटों में से 40 सीटों पर जीत दर्ज की थी और उसने जननायक जनता पार्टी (जजपा) के दस विधायकों और सात निर्दलीय विधायकों के सहयोग से सरकार बनाई। जजपा विधायक जोगी राम सिहाग ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि केंद्र को इन कानूनों को वापस लेना चाहिए क्योंकि हरियाणा, पंजाब और देश के किसान इन कानूनों के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, ''हम दुष्यंत जी से आग्रह करेंगे कि हमारी भावनाओं से अमित शाह जी को अवगत करा दें।'' शाह से मुलाकात करने से पहले चौटाला यहां एक फार्म हाउस में अपनी पार्टी के सभी विधायकों के साथ बैठक करेंगे। जजपा विधायक राम कुमार गौतम ने कहा, ''हमारा जजपा (की बैठक) से कोई लेना-देना नहीं है... दिल्ली नहीं जा रहे हैं... हरियाणा में तीनों कृषि कानून के खिलाफ भावनाएं हैं और आगामी दिनों में इसकी कीमत सत्तारूढ़ भाजपा-जजपा गठबंधन को चुकानी होगी।'' हरियाणा में किसान आंदोलन के राजनीतिक प्रभाव को देखते हुए चौटाला ने यह बैठक बुलाई है ताकि अपने विधायकों को गठबंधन में एकजुट बनाए रख सकें।

पिछले हफ्ते खट्टर करनाल के अपने विधानसभा क्षेत्र में किसानों की रैली को संबोधित नहीं कर सके क्योंकि किसानों ने रैली स्थल पर तोड़फोड़ कर दी। कुछ हफ्ते पहले किसानों ने चौटाला के विधानसभा क्षेत्र हिसार में एक हेलीपैड को खोद डाला। साथ ही निर्दलीय विधायक सोमवीर सांगवान ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। हरियाणा और पंजाब सहित देश के विभिन्न हिस्सों के किसान पिछले वर्ष 28 नवंबर से दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं और तीनों कानूनों को वापस लेने तथा अपनी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की वैधानिक गारंटी की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का, आने वाले दिनों में होगा घना कोहरा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान गिरकर 4.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया और इसके आने वाले दिनों में और गिरने का अनुमान है। आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि सफदरजंग वेधशाला ने न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पश्चिमी विक्षोभ के कारण शहर में लगातार बादल छाए रहे थे और दिल्ली में सोमवार तक न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा था। आईएमडी के अनुसार सोमवार को न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस और रविवार को 7.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

शनिवार को न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस, शुक्रवार को 9.6 डिग्री सेल्सियस और बृहस्पतिवार को 14.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो पिछले चार साल में जनवरी का सबसे अधिक तापमान है। अधिकारी ने बताया कि बर्फ से ढके पश्चिमी हिमालय से उत्तरी-पश्चिमी सर्द हवाओं के शनिवार से मैदानी इलाकों की ओर आने के साथ ही न्यूनतम तापमान में गिरावट आनी शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि तापमान अभी और गिरेगा। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार और शुक्रवार को घना कोहरा छाने का भी पूर्वानुमान है।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा, महामारी के बाद देश में पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा जबरदस्त बढ़ावा

पणजी। (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी का दौर खत्म होने के बाद देश के पर्यटन क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा क्योंकि अधिकतर भारतीय देश में ही यात्रा करना पसंद करेंगे। पणजी के निकट पोरवोरिम में होटल प्रबंधन संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुये नायडू ने कहा कि देश में दो करोड़ 60 लाख ऐसे पर्यटक हैं जो विदेश जाते हैं। नायडू ने कहा, मुझे उम्मीद है कि कोविड-19 महामारी के खत्म होने के तुरंत बाद के काल में उनमें से अधिकतर देश में ही यात्रा करना पसंद करेंगे। इससे पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में विशाल अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि भारत में 200 से अधिक समुद्रतट हैं, यूनेस्को के 38 विश्व विरासत स्थल हैं, 668 सुरक्षित इलाके हैं जहां महत्वपवूर्ण पर्यटन गतिविधियां हो सकती हैं।

नायडू ने कहा कि कोविड-19 महामारी से निश्चित तौर पर वैश्विक पर्यटन को एक बड़ा झटका लगा है। उन्होंने कहा, बहरहाल, मैं आश्वस्त हूं कि महामारी के कारण इस क्षेत्र में जो कमी आयी है वह अस्थायी है और पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग एक बार फिर से पुराने स्तर पर लौटेगा। नायडू ने कहा कि महामारी के कारण लोग लंबे समय से अपने घरों में बंद हैं और स्थिति सामान्य होने के बाद वे निश्चित तौर पर यात्रा करने के लिये उत्सुक होंगे। उन्होंने कहा कि देश के उद्योग जगत को वापस पटरी पर लाने में निश्चित रूप से यह मददगार साबित होगा और होटल प्रबंध संस्थानों समेत सभी हितधारकों की पर्यटन और आतिथ्य उद्योग के पुनरुद्धार में भूमिका होगी।

उपराष्ट्रपति ने कहा, देश में एक मजबूत घरेलू पर्यटन बाजार है, जो निश्चित तौर पर उन देशों की तुलना में इस महामारी के प्रभाव को कम करने में मददगार होगा जो मुख्य रूप से केवल अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों पर निर्भर हैं। घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये सरकार पूरा ध्यान दे रही है। नायडू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार बार देश में ही यात्रा करने और इसे जानने की अपील लोगों से की है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने 2019 में स्वतंत्रता दिवस समारोह के अपने संबोधन में उन्होंने देश के लोगों से 2022 तक देश में कम से कम 15 स्थानों पर घूमने की सलाह दी थी। नायडू ने कहा कि देश में पर्यटन क्षेत्र को फिर से शुरू किया जा रहा है और ऐसे में पर्यटकों के बीच विश्वास बहाली महत्वपूर्ण है।

बीएस येदियुरप्पा बोले, बुधवार को हो सकता है कर्नाटक मंत्रिमंडल

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रिमंडल का बहुप्रतीक्षित विस्तार 13 जनवरी को होने की संभावना है और इसमें शामिल होने वाले नए मंत्रियों की सूची शाम को जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने हालांकि सात नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का संकेत दिया, लेकिन किसी भी मौजूदा मंत्री को मंत्रिमंडल से हटाए जाने को लेकर कुछ खुलकर नहीं कहा। येदियुरप्पा ने कहा, '' अगर सब कुछ निर्धारित चीजों के तहत रहा, तो मैंने नए मंत्रियों को कल शाम चार बजे शपथ दिलवाने की योजना बनाई है।'' उन्होंने कहा, '' टीवी चैनलों पर दिखाए जा रहे नाम, वास्तविकता से काफी दूर हैं, बिना वजह किसी का भी नाम ना लें, मैं आज शाम नामों की सूची जारी करूंगा।''

उन्होंने पत्रकारों से कहा कि कल शाम चार बजे शपथ ग्रहण की संभावना है, जो लोग शपथ लेंगे, उन्हें आज शाम सूचित किया जाएगा। मंत्रिमंडल से किसी मंत्री को हटाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, '' कल इसका पता चल जाएगा।'' येदियुरप्पा ने सोमवार को कहा था कि शपथ-ग्रहण समारोह के लिए भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा और पार्टी के राज्य महासचिव अरुण सिंह को आमंत्रित किया जाएगा। इससे पहले येदियुरप्पा ने रविवार को नयी दिल्ली में मंत्रिमंडल विस्तार की कवायद पर नड्डा और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बातचीत की थी। इसके बाद उन्होंने मंत्रिमंडल में सात नए चेहरे शामिल करने का संकेत दिया था। मंत्रिमंडल से हटाये जाने की खबरों पर आबकारी मंत्री एच नागेश ने कहा कि उन्हें ऐसे किसी कदम की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा था, '' यह मैं ही हूं जिसने भाजपा सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त किया तथा मुख्यमंत्री एवं राज्य के लोग जानते हैं।' येदियुरप्पा लंबे समय से मंत्रिमंडल का विस्तार करना चाहते रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने गत 18 नवम्बर को नयी दिल्ली में उनसे मुलाकात के दौरान इस कवायद के लिए केन्द्रीय नेतृत्व की मंजूरी की प्रतीक्षा करने को कहा था। मंत्रिमंडल विस्तार/फेरबदल एक मुश्किल भरी कवायद होने की संभावना है क्योंकि पार्टी के पुराने नेताओं के साथ साथ कांग्रेस और जनता दल (सेकुलर) से आये नेता मंत्रिपरिषद में जगह पाने की आस में हैं। इन दो विपक्षी दलों से बगावत कर आये नेताओं की वजह से ही भाजपा की सरकार बन पायी थी।

पीएम ने युवाओं से कहा, राजनीतिक वंशवाद लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन, इसे जड़ से खत्म किया जाना चाहिए

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरे राष्ट्रीय युवा संसद समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद की जन्म जयंती के ये दिन हम सभी को नई प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन विशेष इसलिए भी हो गया है कि इस बार युवा संसद देश की संसद के सेंट्रल हॉल में हो रही है। ये सेंट्रल हॉल हमारे संविधान के निर्माण का गवाह है। मोदी ने कहा कि स्वामी जी की प्रेरणा ने आज़ादी की लड़ाई को नई ऊर्जा दी थी। गुलामी के लंबे कालखंड ने भारत को हज़ारों वर्षों की अपनी ताकत और ताकत के एहसास से दूर कर दिया था। स्वामी विवेकानंद जी ने भारत को उसकी वो ताकत याद दिलाई और एहसास कराया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने एक और अनमोल उपहार दिया है। ये उपहार है, व्यक्तियों के निर्माण का, संस्थाओं के निर्माण का। इसकी चर्चा बहुत कम ही हो पाती है।

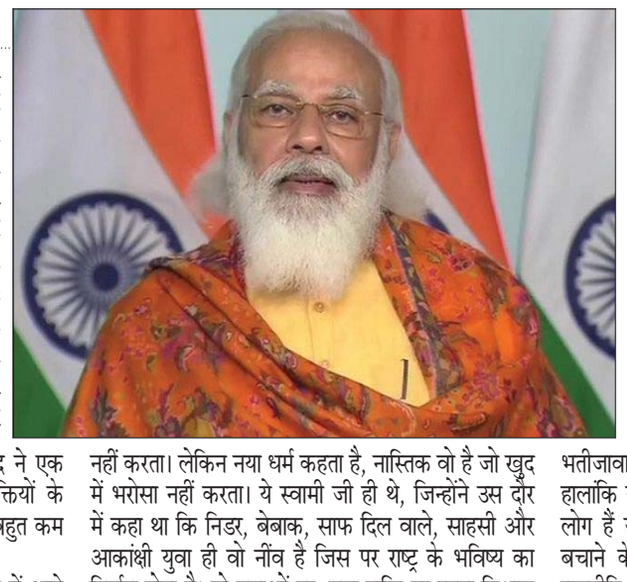

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग स्वामी जी के प्रभाव में आते हैं, संस्थानों का निर्माण करते हैं, फिर उन संस्थानों से ऐसे लोग निकलते हैं जो स्वामी जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए नए लोगों को जोड़ते चलते हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति बेहतर व्यक्तियों के विकास और बेहतर व्यक्तियों से देश बनाने पर केंद्रित है। यह नीति हमारे युवाओं की समझ, उनके निर्णयों और उनके विश्वासों को प्राथमिकता देती है। स्वामी जी कहते थे, पुराने धर्मों के मुताबिक नास्तिक वो है जो ईश्वर में भरोसा नहीं करता। लेकिन नया धर्म कहता है, नास्तिक वो है जो खुद में भरोसा नहीं करता। ये स्वामी जी ही थे, जिन्होंने उस दौर में कहा था कि निडर, बेबाक, साफ दिल वाले, साहसी और आकांक्षी युवा ही वो नींव है जिस पर राष्ट्र के भविष्य का निर्माण होता है। वो युवाओं पर, युवा शक्ति पर इतना विश्वास करते थे। हमारा युवा खुलकर अपनी प्रतिभा और अपने सपनों के अनुसार खुद को विकसित कर सके इसके लिए आज एक environment और इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था हो, सामाजिक व्यवस्था हो या कानूनी बारीकियां, हर चीज में इन बातों को केंद्र में रखा जा रहा है।

इस कार्यक्रम में लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू और केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल मौजूद रहें। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले देश में ये धारणा बन गई थी कि अगर कोई युवक राजनीति की तरफ रुख करता था तो घर वाले कहते थे कि बच्चा बिगड़ रहा है। क्योंकि राजनीति का मतलब ही बन गया था- झगड़ा, फसाद, लूट-खसोट, भ्रष्टाचार। लोग कहते थे कि सब कुछ बदल सकता है लेकिन सियासत नहीं बदल सकती। लेकिन आज राजनीति में ईमानदार लोगों को भी मौका मिल रहा है। Honesty और Performance आज की राजनीति की पहली अनिवार्य शर्त होती जा रही है। भ्रष्टाचार जिनकी द्यद्गद्दड्ढ4 थी, उनका भ्रष्टाचार ही आज उन पर बोझ बन गया है। वो लाख कोशिशों के बाद भी इससे उभर नहीं पा रहे हैं। मोदी ने दावा किया कि भाई-भतीजावाद की राजनीति अपने आखिरी दिनों को देख रही है। हालांकि यह पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। अभी भी ऐसे लोग हैं जो केवल राजनीति में अपने परिवार के रुख को बचाने के लिए राजनीति करना चाहते हैं। इस तरह की राजनीति में नेशन फर्स्ट दूसरे नंबर पर रहता है और माय फैमिली एंड माय बेनिफिट्स को अपनी पहली प्राथमिकता के रूप में रखती है। भारत के युवाओं को परिवार-आधारित राजनीति की इस प्रथा को समाप्त करने के लिए राजनीति में प्रवेश करने की आवश्यकता है। हमारी लोकतांत्रिक प्रथाओं को बचाना महत्वपूर्ण है। युवाओं को सेंट्रल हॉल तक पहुंचने की जरूरत है और भविष्य में राष्ट्र का नेतृत्व करने के लिए हमें अपना अगला गेन तैयार करना होगा।

ओवैसी का मिशन यूपी 2022, अखिलेश के गढ़ से अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

एक राजनेता जिसकी पहचान अपने तीखे तेवर और एक मुसलमान लीडर के रुप में होती है। जिसके पांच विधायक बिहार में हैं और दो महाराष्ट्र में हैं। संसद में दो सांसद और 44 कारपोरेटर हैदराबाद में हैं। जिनके बारे में कई राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा भविष्यवाणी की जाती है कि आगामी विधानसभा चुनाव में ओवैसी की भूमिका अहम रहने वाली है। वैसे तो उत्तर प्रदेश में चुनाव अगले साल होने हैं। लेकिन राजनीतिक दलों की सियासी गोलबंदी के बीच ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के असदुद्दीन ओवैसी पूर्वांचल से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत करने वाले हैं। जिसके लिए उन्होंने सपा के मुखिया अखिलेश यादव के गढ़ आजमगढ़ को चुना है। ओवैसी पूर्वांचल में अपनी जमीन मजबूत करने के इरादे से आजमगढ़ में एंट्री ने यूपी के चुनावी रण को और दिलचस्प बना दिया है। ओवैसी के मिशन पूर्वांचल में उनका साथ कभी

योगी आदित्यनाथ के सहयोगी रहे सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर देंगे। ओवैसी ओम प्रकाश राजभर के साथ आजमगढ़ के अलावा, मऊ, वाराणसी और जौनपुर जिलों में जनता का नब्ज टटोलने की कोशिश करेंगे। ओवैसी पूर्वांचल के दौरे के लिए जिस वक्त वाराणसी एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे, उसी वक्त सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव भी उतरेंगे। अखिलेश जब जौनपुर जिले में होंगे तो ओवैसी वहां से गुजर रहे होंगे और महज 40 किलोमीटर की दूरी पर पूर्व मंत्री पारसनाथ यादव की जयंती समारोह को संबोधित कर रहे होंगे। वाराणसी एयरपोर्ट से आजमगढ़ जाने के लिए जिस तरह ओवैसी ने जौनपुर का रास्ता चुना है, उसके पीछे ओवैसी की मंशा साफ झलक रही।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)